मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 247
गुरुवार, 26 मार्च 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

पश्चिम एशिया संकटः सर्वदलीय बैठक में सरकार और विपक्ष के बीच तीखी बहस

नई दिल्ली, 25 मार्च। पश्चिम एशिया (मिडल ईस्ट) में जारी तनाव और युद्ध की स्थिति पर चर्चा करने के लिए बुधवार को संसद परिसर में बुलाई गई सर्वदलीय बैठक हंगामेदार रही। एक ओर जहाँ सरकार ने भारत के रुख को स्पष्ट करते हुए पाकिस्तान पर तीखा हमला बोला, वहीं दूसरी ओर विपक्ष ने सरकार की विदेश नीति को 'असंतोषजनक' करार दिया।

बैठक में सरकार की ओर से जानकारी दी गई कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से फोन पर हुई बातचीत में पश्चिम एशिया के युद्ध को तुरंत समाप्त करने की आवश्यकता पर जोर दिया है। पीएम मोदी ने स्पष्ट किया कि इस युद्ध से वैश्विक अर्थव्यवस्था और मानवता को नुकसान हो रहा है, इसलिए इसे जल्द खत्म होना चाहिए।

बैठक का सबसे चर्चित हिस्सा वह रहा जब सरकार ने पाकिस्तान के मध्यस्थता प्रयासों को सिरे से खारिज कर दिया। सूत्रों के मुताबिक, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि पाकिस्तान का अमेरिका द्वारा 1981 से केवल इस्तेमाल किया जा रहा है। पाकिस्तान को दलाल राष्ट्र करार देते हुए सरकार ने कहाः हम दलाल राष्ट्र नहीं हैं। हमारे प्रयास ठोस और स्वतंत्र हैं। यह बयान विपक्ष के उस आरोप के जवाब में आया जिसमें कहा गया था कि पाकिस्तान जैसा 'कमजोर' देश मध्यस्थ की भूमिका निभा रहा है जबकि भारत मूकदर्शक बना हुआ है।

सूत्रों के अनुसार, सरकार ने विपक्ष के इस आरोप का खंडन किया

कि भारत सरकार इस मामले पर चुप है और कहा कि हम टिप्पणी कर रहे हैं और जवाब दे रहे हैं। सरकार का पक्ष था कि जब ईरान दूतावास खोला गया, तो विदेश सचिव ने तुरंत वहां दौरा किया और शोक पुस्तिका पर हस्ताक्षर किए। विपक्ष का आरोप है कि सरकार ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के मारे जाने पर जल्द शोक व्यक्त न करके नैतिक कमजोरी दिखाई है।

बताया जाता है कि सरकार ने राजनीतिक दलों को यह भी सूचित किया है कि उसकी मुख्य चिंता खाड़ी क्षेत्र में रहने वाले भारतीय प्रवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और घरेलू ऊर्जा जरूरतों को पूरा करना है। उस संबंध में सरकार ने कहा कि वह अब तक सफल रही है। पश्चिम एशिया संकट पर सरकार द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक के बाद विपक्ष ने कहा कि इस मामले से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर सरकार का जवाब संतोषजनक नहीं था। उन्होंने यह मांग फिर दोहराई कि लोकसभा में नियम 193 और राज्यसभा में नियम 176 के तहत पश्चिम एशिया संकट को लेकर चर्चा होनी चाहिए। सर्वदलीय बैठक के बाद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता तारिक अनवर ने संवाददाताओं से कहा, सरकार की ओर से स्पष्टीकरण देने की कोशिश हुई जो संतोषजनक नहीं है। हम लोगों की मांग है कि लोकसभा और राज्यसभा में चर्चा होनी चाहिए, उसके बाद लोगों को संतुष्टि होगी। उनका कहना था कि बहुत सारे मुद्दे थे।

तुष्टीकरण नहीं, समान अधिकार हमारा संकल्प है : अमित शाह

गुजरात, 25 मार्च। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात द्वारा समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक, 2026 पारित किए जाने की सराहना करते हुए इसे भारत के सभी नागरिकों के लिए समानता सुनिश्चित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताया। 31 जनवरी, 2026 को शाह ने पर एक पोस्ट के माध्यम से प्रत्येक नागरिक के लिए एक समान कानून के प्रति भारतीय जनता पार्टी की प्रतिबद्धता को दोहराया। शाह ने कहा कि भाजपा की स्थापना से ही यह संकल्प रहा है कि देश के प्रत्येक नागरिक के लिए एक समान कानून हो। मोदी के नेतृत्व में भाजपा की राज्य सरकारें इस दिशा में लगातार आगे बढ़ रही हैं। मुझे खुशी है कि उत्तराखंड के बाद गुजरात ने भी समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक पारित करके ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है और इस प्रकार अपनी प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया है।

उन्होंने गुजरात के मुख्यमंत्री

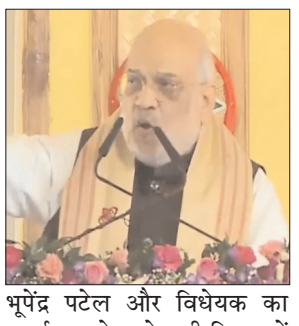

भूपेंद्र पटेल और विधेयक का समर्थन करने वाले सभी विधायकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इसके लिए मैं मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और इस विधेयक का समर्थन करने वाले सभी विधायकों को बधाई देता हूं। देश का संचालन तुष्टीकरण के आधार पर नहीं, बल्कि सभी नागरिकों के लिए समान कानूनों के आधार पर होना चाहिए झ यही हमारी प्राथमिकता और हमारा संकल्प है। इससे पहले, भूपेंद्र पटेल ने विधेयक पारित होने पर राज्य विधानसभा के सभी सदस्यों और गुजरात के नागरिकों को भी बधाई दी। एक ट्वीट में उन्होंने इस घटना को गुजरात और राष्ट्र दोनों के लिए एक ऐतिहासिक क्षण बताया।

इस विधेयक के पारित होने के साथ ही गुजरात, धर्म या समुदाय की परवाह किए बिना विवाह, तलाक, उत्तराधिकार और दत्तक ग्रहण से संबंधित व्यक्तिगत कानूनों को नियंत्रित करने वाला एक समान कानूनी ढांचा लागू करने वाला दूसरा भारतीय राज्य बन गया है। पटेल ने कहा कि समान नागरिक संहिता के लागू होने से राज्य में सभी धर्मों और समुदायों के लिए विवाह, तलाक, उत्तराधिकार और दत्तक ग्रहण जैसे मामलों में एक समान कानूनी ढांचा स्थापित होगा।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह विधेयक सभी धर्मों और जातियों की महिलाओं के लिए समान अधिकारों को सुनिश्चित करता है, जिससे उनकी गरिमा और सुरक्षा को बढ़ावा मिलता है। पटेल ने कहा कि यह सुनिश्चित करेगा कि सभी धर्मों और जातियों की महिलाओं को समान अधिकार प्राप्त हों, जिससे उनकी गरिमा और सुरक्षा और मजबूत होगी।

दिल्ली के प्रसिद्ध मंदिर के पास पलटी यात्रियों से भरी बस, दो की मौत, मचा हड़कंप

नई दिल्ली, 25 मार्च। देश की राजधानी के करोल बाग इलाके में मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात एक बड़ा सड़क हादसा सामने आया है। झंडेवालान मंदिर के पास एक निजी बस अनियंत्रित होकर सड़क के बीचों-बीच पलट गई। इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई जबकि करीब 25 यात्री घायल हो गए जिन्हें आनन-फानन में नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। अचानक बस पलटने से मौके पर चीख-पुकार मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बस काफी तेज रफ्तार में थी। जैसे ही बस झंडेवालान मंदिर के पास पहुंची चालक ने अचानक नियंत्रण खो दिया। बस डिवाइडर से टकराते हुए पलट गई। हादसे के वक्त बस में काफी संख्या में यात्री सवार थे जिनमें से ज्यादातर सो रहे थे। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस के शीशे

टूट गए और अंदर फंसे लोग मदद के लिए चिल्लाने लगे।

घटना की सूचना मिलते ही दिल्ली पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंचीं। स्थानीय लोगों की मदद से बस की खिड़कियां और शीशे तोड़कर घायलों को बाहर निकाला गया। हादसे में कुल 25 पैसेंजर घायल हुए हैं।घायलों में से दो यात्रियों की मौत हो गई है। सभी घायलों को लेडी हार्डिंग और राम मनोहर लोहिया (फ्टछ) अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस ने क्रेन की मदद से बस को सड़क से हटवाकर यातायात सुचारू करवाया है। शुरूआती जांच में हादसे की वजह तेज रफ्तार या बस का तकनीकी खराब होना (ब्रेक फेल) माना जा रहा है। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि क्या बस चालक नशे की हालत में था या उसे नींद की झपकी आ गई थी। चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने का मामला दर्ज कर लिया गया है।

भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और निर्वाचन आयोग मतदान के अधिकार छीन रहे हैंः ममता बनर्जी

कोलकता, 25 मार्च। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), केंद्र सरकार और निर्वाचन आयोग पर बुधवार को तीखा हमला करते हुए उन पर संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग करके लोकतंत्र को कमजोर करने का आरोप लगाया। बनर्जी ने उत्तर बंगाल के मैनागुड़ी में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और निर्वाचन आयोग मतदान के अधिकार छीन रहे हैं।

उन्होंने चेतावनी दी कि अगला कदम राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) लागू करके नागरिकता छीनने का प्रयास हो सकता है। बनर्जी ने यह भी आरोप लगाया कि मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के माध्यम से कुछ समुदायों को चुनाव प्रक्रियाओं से बाहर रखा जा रहा है। उन्होंने कहा, राजबंशियों के नाम एसआईआर के जरिए हटा दिए गए हैं।

महिलाओं के नाम भी हटाए जा रहे हैं। अगर एसआईआर की वजह से मौतें होती हैं, तो जिम्मेदारी कौन लेगा? तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने कहा, निर्वाचन आयोग, भाजपा और केंद्र सरकार संविधान का पालन नहीं कर रहे और मतदान के अधिकार छीनने की कोशिश कर रहे हैं। आज वे मतदान के अधिकार छीन रहे हैं; कल वे राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) लाकर नागरिकता छीन लेंगे। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का

नाम लिए बिना बनर्जी ने जनसभा में उपस्थित लोगों से आग्रह किया कि वे यहां मौजूद सज्जन और दिल्ली में दोनों सज्जनों को विदा करें।

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस को अधिकारों से वंचित किया जा रहा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि तृणमूल कांग्रेस की सबसे बड़ी ताकत राज्य की जनता है। उन्होंने भाजपा और निर्वाचन आयोग पर मिलीभगत से काम करने का आरोप लगाते हुए कहा, उन्होंने हमसे सब कुछ छीन लिया है। अब मेरे पास सिर्फ हमारी जनता है। बनर्जी से उत्तर बंगाल के लिए रवाना होने से पहले कोलकाता हवाई अड्डे पर निर्वाचन आयोग के छह साल पुराने दस्तावेज का हवाला देते हुए इसी तरह के आरोप लगाए थे।

इस दस्तावेज में कथित तौर पर भाजपा का कमल चिह्न अंकित था। उन्होंने कहा, आप छुपकर क्यों खेल रहे हैं? खुलकर सामने आइए और मुकाबला करिए। बनर्जी ने कहा कि उन्होंने अपनी पार्टी के उम्मीदवारों को नामांकन पत्र दाखिल करते समय अपने साथ वकील ले जाने के लिए कहा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा शासित असम में नामांकन रद्द कर दिए गए थे। उन्होंने कहा, मैं अपने उम्मीदवारों से नामांकन दाखिल करते समय वकीलों को साथ ले जाने के लिए कहूंगी। असम में कई नामांकन रद्द कर दिए गए हैं। मुझे भाजपा और निर्वाचन आयोग पर भरोसा नहीं है।

चेतावनी के एक घंटे बाद ही आक्रामक हुआ ईरान, अमेरिकी पोत अब्राहम लिंकन को बनाया निशाना

ईरान, 25 मार्च। मिडिल ईस्ट में जारी ईरान-अमेरिका युद्ध लगातार खतरनाक मोड़ लेता जा रहा है। ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईरान ने अमेरिकी नौसेना के दैत्याकार विमानवाहक पोत वरर Abraham Lincoln पर मिसाइल दागने का दावा किया है। ईरान का कहना है कि उसने चाबहार के निकट, अपनी तटरेखा से लगभग 250-300 किलोमीटर दूर, USS अब्राहम लिंकन की ओर क्रूज मिसाइलें दागीं। हालांकि अमेरिका ने इस हमले से हुए नुकसान की पुष्टि नहीं की है और तस्वीरें जारी कर अपने जहाज को सुरक्षित बताया है।

इससे पहले ईरान ने चेतावनी दी थी कि अगर यह अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर उसकी मिसाइल रेंज में आया, तो उसे निशाना बनाया जाएगा। अब हमले के दावे से क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया है। इस बीच, Kim Jong Un ने भी अमेरिका की आलोचना करते हुए कहा कि ईरान के खिलाफ युद्ध स्टेट स्पॉन्सर्ड टेररिज्म जैसा है। यह बयान वैश्विक स्तर पर इस संघर्ष को और राजनीतिक बना रहा है। वहीं Strait of Hormuz को लेकर भी स्थिति संवेदनशील बनी हुई है। ईरान ने कहा है कि केवल गैर-शत्रु जहाजों को ही इस रास्ते से गुजरने दिया जाएगा। इस जलमार्ग से दुनिया का बड़ा हिस्सा तेल सप्लाई होता है, इसलिए इसका असर वैश्विक बाजार पर पड़ रहा है। तेल बाजार में भी उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। ब्रेंट क्रूड और अमेरिकी तेल की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई।

केरल में 100 सीटों का टारगेट लेकर मैदान में कांग्रेस, भीतरघात की चुनौती

केरल। केरल विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस नेतृत्व की सक्रियता उसकी गंभीर रणनीति को दिखाती है। हालांकि पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में भी विधानसभा चुनाव हो रहे हैं, लेकिन कांग्रेस का सबसे ज्यादा फोकस केरल पर ही नजर आ रहा है।

राज्य में कांग्रेस के नेतृत्व वाला विपक्षी गठबंधन यूडीएफ 140 में से 92 सीटों पर चुनाव लड़ रहा है, जबकि बाकी सीटें सहयोगी दलों के बीच बांटी गई हैं। पिछले 2021 विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने 93 सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे, जिनमें से 21 उम्मीदवार जीतकर विधायक बने थे।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37

* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg.
Near Diamond Talkies,
L.T. Road, Borivali (West)
Mumbai - 400 092
Maharashtra

ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
- Std. XI & XII (Sci.)
- MHT-CET
- NEET
- Polytechnic & Engg
- JEE (Main & Advance)
- Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)

M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

धर्म, जाति और धर्मांतरण: सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक निर्णय

-ललित गर्ग

धर्म, जाति और धर्मांतरण का प्रश्न भारत के सामाजिक, संवैधानिक और राष्ट्रीय जीवन से जुड़ा अत्यंत संवेदनशील और जटिल विषय है। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिया गया यह निर्णय कि यदि अनुसूचित जाति का कोई व्यक्ति हिन्दू, सिख या बौद्ध धर्म छोड़कर किसी अन्य धर्म को स्वीकार कर लेता है तो वह अनुसूचित जाति के संवैधानिक दर्जा और उससे जुड़े लाभों का अधिकारी नहीं रहता, केवल एक सामान्य कानूनी निर्णय नहीं है, बल्कि यह भारतीय संविधान की मूल भावना, सामाजिक न्याय की अवधारणा और राष्ट्रीय एकता की आवश्यकता को ध्यान में रखकर दिया गया एक दूरगामी और ऐतिहासिक निर्णय है। इस निर्णय को भारत की न्याय व्यवस्था की परिपक्वता, संतुलन और दूरदर्शिता का प्रतीक कहा जा सकता है।

भारत में अनुसूचित जाति की व्यवस्था का निर्माण किसी धर्म विशेष को लाभ देने के लिए नहीं किया गया था, बल्कि उन सामाजिक वर्गों को संरक्षण देने के लिए किया गया था, जो सदियों से सामाजिक भेदभाव, अस्पृश्यता और सामाजिक बहिष्कार का सामना करते रहे थे। संविधान निर्माताओं ने यह माना था कि समाज में जो ऐतिहासिक अन्याय और सामाजिक असमानता रही है, उसे दूर किए बिना वास्तविक समानता स्थापित नहीं की जा सकती। इसी कारण आरक्षण और विशेष कानूनी संरक्षण की व्यवस्था की गई। यह व्यवस्था मूलतः सामाजिक भेदभाव पर

आधारित थी, आर्थिक आधार पर नहीं। इसलिए अनुसूचित जाति का प्रश्न धर्म से अधिक सामाजिक संरचना से जुड़ा हुआ था।

जब कोई व्यक्ति धर्म परिवर्तन कर ऐसे धर्म को स्वीकार करता है, जहां जाति व्यवस्था को मान्यता नहीं दी जाती, तो फिर यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि क्या उसे उसी आधार पर अनुसूचित जाति के लाभ मिलते रहने चाहिए। इसी प्रश्न को लेकर वर्षों से देश में बहस चलती रही है। कई मामलों में यह देखा गया कि व्यक्ति ने धर्म परिवर्तन कर लिया, वह दूसरे धर्म की धार्मिक और सामाजिक व्यवस्था में सक्रिय भी हो गया, लेकिन वह अनुसूचित जाति के आरक्षण, छात्रवृत्ति, नौकरी और आरक्षण और एससी/एसटी एक्ट जैसे कानूनों का लाभ लेना चाहता रहा। इससे एक प्रकार की कानूनी और सामाजिक विसंगति उत्पन्न हो रही थी। सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय इसी विसंगति को दूर करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है और यह स्पष्ट करता है कि संविधान द्वारा दी गई सुविधाओं का उपयोग उसी सामाजिक संदर्भ में किया जा सकता है, जिसके लिए वे बनाई गई थी।

धर्मांतरण का प्रश्न भारत में केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं रहा है, बल्कि कई बार यह सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और जनसंख्या संतुलन से भी जुड़ जाता है। देश के विभिन्न क्षेत्रों में विशेषकर गरीब, वंचित और अनुसूचित जाति तथा जनजाति वर्गों में धर्मांतरण की घटनाएँ समय-समय पर सामने आती रही हैं। कई बार धर्मांतरण शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और सामाजिक सहायता के माध्यम से हुआ, तो कई बार लालच, प्रलोभन, दबाव या सामाजिक परिस्थितियों के कारण भी धर्म परिवर्तन के आरोप लगे। इसी कारण कई राज्यों ने धर्मांतरण को नियंत्रित करने के लिए कानून बनाए, ताकि बल, प्रलोभन या धोखे से होने वाले धर्म परिवर्तन को रोका जा सके, लेकिन इन कानूनों का प्रभाव उतना व्यापक नहीं हो पाया जितनी अपेक्षा थी।

जब किसी विशेष सामाजिक वर्ग का बड़े पैमाने पर धर्म परिवर्तन होता है, तो उसका प्रभाव केवल धर्म पर ही नहीं पड़ता, बल्कि जातीय संरचना, सामाजिक संतुलन, राजनीतिक प्रतिनिधित्व और सामाजिक संबंधों पर भी पड़ता है। धीरे-धीरे यह स्थिति सामाजिक और धार्मिक संतुलन को प्रभावित करने लगती है। भारत जैसे बहुधर्मी और बहुजातीय देश में सामाजिक और धार्मिक संतुलन का बने रहना राष्ट्रीय एकता और अखंडता के लिए अत्यंत आवश्यक है। यदि समाज लगातार जाति, धर्म और वर्ग के आधार पर बदलता और विभाजित होता रहेगा, तो इसका प्रभाव सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता पर पड़ना स्वाभाविक है। इस दृष्टि से धर्मांतरण का प्रश्न केवल व्यक्तिगत स्वतंत्रता का प्रश्न नहीं रह जाता, बल्कि यह सामाजिक और राष्ट्रीय संतुलन का भी प्रश्न बन जाता है।

आरक्षण व्यवस्था का उद्देश्य भी यही था कि जो लोग सामाजिक रूप से वंचित हैं, उन्हें शिक्षा, रोजगार और सामाजिक सम्मान के क्षेत्र में अवसर मिल सके। लेकिन यदि धर्म परिवर्तन के बाद भी लोग आरक्षण का लाभ लेते रहेंगे, तो इससे आरक्षण व्यवस्था का मूल उद्देश्य प्रभावित होगा और वास्तविक जरूरतमंद लोगों के अधिकारों पर भी प्रभाव पड़ेगा। इससे समाज में असंतोष और असंतुलन भी उत्पन्न हो सकता है। इसलिए सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय आरक्षण व्यवस्था को अधिक न्यायसंगत, पारदर्शी और उद्देश्यपूर्ण बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण माना जा सकता है। यह निर्णय यह स्पष्ट करता है कि संविधान की सुविधाएँ अधिकार हैं, लेकिन उनका दुरुपयोग नहीं होना चाहिए।

भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी विविधता में एकता है। यहां अनेक धर्म, जातियां, भाषाएं और संस्कृतियां होते हुए भी देश एक है। लेकिन यदि धर्म, जाति और जनसंख्या संतुलन को लेकर लगातार राजनीतिक और सामाजिक प्रयोग होते रहेंगे, तो इससे राष्ट्रीय एकता प्रभावित हो सकती है। धर्मांतरण यदि पूरी तरह से व्यक्तिगत आस्था और विचार की स्वतंत्रता के आधार पर हो तो वह व्यक्ति का अधिकार है, लेकिन यदि वह लालच, भय, दबाव, सामाजिक अलगाव या राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित हो, तो वह केवल धार्मिक परिवर्तन नहीं, बल्कि सामाजिक और राष्ट्रीय संतुलन को प्रभावित करने वाली प्रक्रिया बन जाता है। इसलिए इस विषय पर संतुलित, संवेदनशील और राष्ट्रीय दृष्टि से विचार करना आवश्यक है।

सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय इसी व्यापक परिप्रेक्ष्य में महत्वपूर्ण है। यह निर्णय केवल यह नहीं कहता कि धर्म परिवर्तन के बाद अनुसूचित जाति का दर्जा समाप्त हो जाएगा, बल्कि यह निर्णय संविधान की मूल भावना को भी स्पष्ट करता है कि सामाजिक न्याय का आधार सामाजिक वास्तविकता है, न कि केवल कानूनी तकनीक। यह निर्णय यह भी स्पष्ट करता है कि संविधान द्वारा दी गई सुविधाओं का उद्देश्य समाज में समानता और न्याय स्थापित करना है, न कि कानूनी व्यवस्था का दुरुपयोग होने देना।

आज भारत एक नए दौर में प्रवेश कर रहा है, जहां कानून, संविधान और न्याय व्यवस्था केवल तकनीकी व्याख्याओं तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि सामाजिक वास्तविकता, राष्ट्रीय हित और सामाजिक संतुलन को ध्यान में रखकर निर्णय दिए जा रहे हैं। इस दृष्टि से यह निर्णय नए भारत की कानूनी सोच और संवैधानिक दृष्टि का प्रतीक भी कहा जा सकता है। यह निर्णय यह संदेश देता है कि सामाजिक न्याय और राष्ट्रीय एकता दोनों साथ-साथ चल सकते हैं और संविधान दोनों की रक्षा करने में सक्षम है।

अंततः यह कहा जा सकता है कि धर्म, जाति, आरक्षण और धर्मांतरण का प्रश्न भारत में लंबे समय से विवाद और बहस का विषय रहा है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय इस जटिल विषय को स्पष्ट करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कदम है। इससे न केवल आरक्षण व्यवस्था अधिक स्पष्ट और न्यायसंगत बनेगी, बल्कि धर्मांतरण और कानूनी लाभ के बीच जो विसंगतियाँ थीं, वे भी काफी हद तक समाप्त होंगी। यह निर्णय सामाजिक संतुलन, कानूनी स्पष्टता और राष्ट्रीय एकता-तीनों को मजबूत करने वाला निर्णय है। इसलिए यह कहना उचित होगा कि यह निर्णय केवल एक न्यायालय का फैसला नहीं, बल्कि नए भारत, सशक्त भारत और संगठित भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण आधार स्तंभ के रूप में देखा जाना चाहिए।

असदुद्दीन ओवैसी और हुमायूं कबीर गठजोड़ बंगाल की चुनावी तस्वीर बदल सकता है

अशोक भाटिया

पश्चिम बंगाल की राजनीति इस समय उबाल पर है. जहां एक तरफ ममता बनर्जी अपनी कुर्सी बचाने के लिए पूरी ताकत झोंक रही हैं, वहीं दूसरी तरफ भाजपा भी पूरी मजबूती के साथ मैदान में डटी हुई है. लेकिन इन दो बड़ी ताकतों के बीच असदुद्दीन ओवैसी और हुमायूं कबीर गठजोड़ ने राज्य में हलचल मचा दिया है. यह गठबंधन क्या वाकई चुनावी तस्वीर बदल सकता है या फिर सिर्फ वोट कटवा बनकर रह जाएगा? यही सवाल इस वक्त बंगाल की राजनीति में सबसे ज्यादा गूंज रहा है.

गौरतलब है कि बंगाल की राजनीति में मुस्लिम वोट हमेशा से निर्णायक रहे हैं. यही वजह है कि ओवैसी-कबीर गठजोड़ ने सीधे इसी वोट बैंक पर फोकस किया है.

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि अगर अल्पसंख्यक वोटों में थोड़ा भी बंटवारा हुआ, तो इसका नुकसान ममता की पार्टी टीएससी को उठाना पड़ सकता है. यह सच है कि इस इलाके में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी मजबूत पकड़ रही है, लेकिन इस बार चुनौती अलग तरह की नजर आ रही है. मीडिया रिपोर्ट की माने तो ए आइ एम आइ एम इस चुनाव में ज्यादा सीटों पर नहीं लड़ने के मूड में है, बल्कि चुनिंदा सीटों पर दांव लगाने की तैयारी में है. बताया जा रहा है कि पार्टी 50 से भी कम सीटों पर उम्मीदवार उतार सकती है. यह वही रणनीति है जिसे पार्टी पहले बिहार में अपना चुकी है और वहां उसे अच्छा फायदा भी मिला था. अब इसी फॉमूर्ले को बंगाल में दोहराने की कोशिश हो रही है.

इसी को देखते हुए ओवैसी 25 मार्च को कोलकाता पहुंचने वाले हैं, ओवैसी का बंगाल दौरा सिर्फ औपचारिक नहीं होगा, बल्कि पूरी तरह चुनावी मोड में रहेगा. लगातार रैलियां, जनसभाएं और ग्राउंड कनेक्ट–पार्टी हर स्तर पर अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश करेगी. उनकी मौजूदगी से कार्यकताओं में उत्साह बढ़ने की उम्मीद है, जिससे गठजोड़ को जमीन पर फायदा मिल सकता है.

मालदा और मुर्शिदाबाद जैसे जिले इस चुनाव में सबसे अहम माने जा रहे हैं, क्योंकि यहां अल्पसंख्यक मतदाताओं की संख्या काफी ज्यादा है. मुर्शिदाबाद में 22 सीटें हैं, जिनमें पिछली बार टी एम सी ने 20 पर जीत दर्ज की थी. वहीं दूसरी तरफ मालदा में 12 सीटें हैं, जहां भी टी एम सी का दबदबा रहा है. ऐसे में अगर वोटों का समीकरण थोड़ा भी बदला, तो नतीजे चौंकाने वाले हो सकते हैं.

हुमायूं कबीर का प्रभाव खासतौर पर मुर्शिदाबाद के कुछ इलाकों में माना जाता है. पहले वे टी एम सी में शामिल थे, लेकिन अब पार्टी से अलग होकर अपनी राजनीतिक जमीन तैयार कर रहे हैं. हालांकि उनकी पार्टी नई है और संगठन अभी उतना मजबूत नहीं है, लेकिन स्थानीय स्तर पर उनकी पकड़ इस गठजोड़ को मजबूती दे सकती है.

टी एम सी इस गठजोड़ को ज्यादा गंभीरता से नहीं ले रही. पार्टी नेताओं का कहना है कि चुनाव ममता बनर्जी के नेतृत्व में लड़ा जाएगा और जनता का भरोसा उनके साथ है. साथ ही टी एम सी ने इसके साथ आरोप लगाया है कि इस गठबंधन के पीछे भारतीय जनता पार्टी की भूमिका हो सकती है, हालांकि ए आइ एम आइ एम इन आरोपों को सिरे से खारिज करती नजर आ रही है. अगर पूरे राजनीतिक समीकरण को देखें, तो साफ लगता है कि इस बार बंगाल का चुनाव सिर्फ जीत-हार का नहीं, बल्कि वोटों के बंटवारे का खेल बनता जा रहा है. ओवैसी-कबीर गठजोड़ भले ही सीधे सत्ता तक न पहुंचे, लेकिन अगर इसने थोड़े भी वोट काट लिए, तो टी एम सी के लिए मुश्किलें बढ़ सकती हैं और मुकाबला बेहद कड़ा हो सकता है. इतना तय है कि इस बार बंगाल का चुनाव पहले से ज्यादा कड़ा, दिलचस्प और अनिश्चित होने वाला है. अब सबकी निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि क्या सच में हुमायूं-ओवैसी खेला कर देंगे या सिर्फ वोट कटवा की निभाएंगे भूमिका. अब ये आने वाला समय बताएगा.

असदुद्दीन ओवैसी की एआईएमआईएम और हुमायूं कबीर की जनता उन्नयन पार्टी (जेयूपी) के बीच बने नए गठबंधन ने पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों, विशेष रूप से मुस्लिम बहुल जिलों मालदा और मुर्शिदाबाद और बीरभूम के चुनिंदा इलाकों में चुनावी मुकाबले को और भी तीखा बना दिया है।

एक साथ चुनाव लड़ने के फैसले ने मुस्लिम वोट बैंक के समीकरण में नई जटिलता पैदा कर दी है, जो बंगाल की राजनीति में एक महत्वपूर्ण कारक है, और दोनों पार्टियां अपनी ऊर्जा उन क्षेत्रों पर केंद्रित कर रही हैं जहां अल्पसंख्यक मतदाताओं का निर्णायक प्रभाव है।

एआईएमआईएम राज्य में एक कैलिब्रेटेड एंट्री की योजना बना रही है, जिसमें मालदा, मुर्शिदाबाद और बीरभूम पर स्पष्ट जोर देने के साथ, 50 से कम सीटों पर चुनाव लड़ने का विकल्प चुना गया है. पार्टी सूत्रों के अनुसार, हुमायूं कबीर एआईएमआईएम को लगभग 50 सीटों की पेशकश करने के पक्ष में हैं, लेकिन पार्टी खुद भी कम सीटों पर चुनाव लड़ सकती है, जिसमें 'कम ही अधिक' रणनीति को प्राथमिकता दी जा सकती है. यह दृष्टिकोण एआईएमआईएम की बिहार प्लेबुक को प्रतिबिंबित करता है, जहां उसने सिर्फ 29 सीटों पर चुनाव लड़ा था, लेकिन पांच जीतने में सफल रही झ एक ऐसा मॉडल जिसे पार्टी चुनिंदा निर्वाचन क्षेत्रों पर संसाधनों और प्रचार ऊर्जा को केंद्रित करके बंगाल में दोहराने की उम्मीद करती है.

एआईएमआईएम के बंगाल अध्यक्ष इमरान सोलंकी ने योजना की पुष्टि करते हुए कहा कि पार्टी की रणनीति सीमित संख्या में सीटों पर चुनाव लड़ने की है, लेकिन मजबूत परिणाम का लक्ष्य है। पार्टी प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी 25 मार्च को कोलकाता पहुंचने वाले हैं और उनके तीन फोकस जिलों में बड़े पैमाने पर प्रचार करने की उम्मीद है।

एआईएमआईएम पिछले कुछ समय से मालदा और मुर्शिदाबाद में एक आधार बनाने के लिए चुपचाप काम कर रही है, और पार्टी के अंदरूनी सूत्रों का मानना है कि इन जिलों में पड़ोसी बीरभूम के मुस्लिम बहुल क्षेत्रों के साथ-साथ जमीनी काम ने जोर देना शुरू कर दिया है।

हालांकि, गठबंधन की स्थानीय ताकत असमान बनी हुई है। हुमायूं कबीर का मुर्शिदाबाद के कुछ हिस्सों, विशेष रूप से बेलडांगा और रेजीनगर में कुछ प्रभाव है, लेकिन उनकी पार्टी अभी भी अपेक्षाकृत नई है और व्यापक संगठनात्मक पदचिह्न का अभाव है। इससे एक अहम सवाल उठता है: क्या एक सीमित लेकिन केंद्रित गठबंधन इन क्षेत्रों में तृणमूल कांग्रेस के मजबूत मुस्लिम वोट बैंक को नुकसान पहुंचा सकता है? सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने गठबंधन को महत्वहीन बताते हुए खारिज कर दिया है। तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता फिरहाद हकीम ने कहा कि इस गठबंधन से पार्टी की संभावनाओं पर कोई असर नहीं पड़ेगा और बंगाल में चुनाव मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नाम पर लड़े जाते हैं।हकीम ने भाजपा पर अप्रत्यक्ष रूप से गठबंधन का समर्थन करने का भी आरोप लगाया झ यह आरोप अक्सर विपक्ष के गढ़ों में एआईएमआईएम के चुनावी हस्तक्षेप के खिलाफ लगाया जाता है। चुनावी अंकगणित इस बात को रेखांकित करता है कि ये जिले क्यों मायने रखते हैं। मुर्शिदाबाद में 22 विधानसभा सीटें हैं, जिनमें से टीएमसी ने पिछले चुनाव में 20 सीटें जीती थीं, जबकि भाजपा ने दो सीटें जीती थीं। मालदा में 12 सीटें हैं, जिसमें टीएमसी ने आठ सीटें जीतीं, जबकि भाजपा ने चार सीटें जीतीं।यहां तक कि इन जिलों में वोट शेयर में मामूली बदलाव भी करीबी मुकाबले वाली सीटों पर नतीजों को बदल सकता है। अंततः, ओवैसी-कबीर गठबंधन व्यापक जीत के बारे में कम और रणनीतिक व्यवधान के बारे में अधिक है। यदि वह अल्पसंख्यक वोटों के एक अंश को भी मजबूत करने में कामयाब हो जाता है, तो यह मौजूदा समर्थन आधार को खंडित कर सकता है संभावित रूप से टीएमसी को नुकसान पहुंचा सकता है।

लेकिन सीमित संगठनात्मक गहराई और अभी भी विकसित हो रही गठबंधन संरचना के साथ, इसका वास्तविक प्रभाव अनिश्चित बना हुआ है।हालांकि, जो स्पष्ट है, वह यह है कि मालदा, मुर्शिदाबाद और बीरभूम के कुछ हिस्सों में, बंगाल की प्रतियोगिता अधिक प्रतिस्पर्धी हो गई है और इसका अनुमान बहुत कम लगाया जा सकता है।

इजराइल लेबनान पर हमला क्यों कर रहा है?

जमीनी हमला दक्षिणी लेबनान में ही क्यों केंद्रित है? इजराइल ने पहले हिज्बुल्लाह के खिलाफ कई हमले क्यों किए हैं और वह इस शिया उग्रवादी समूह को खत्म क्यों करना चाहता है? वह क्या हासिल करना चाहता है?

स्टैनली जॉनी, अब तक की कहानीः

जैसे-जैसे ईरान पर अमेरिका-इजराइल युद्ध अपने चौथे हफ़्ते में प्रवेश कर रहा है, इस क्षेत्र में एक और, शायद ज्यादा क्रूर, युद्ध छिड़ रहा है। 16 मार्च को, इजराइल ने लेबनान में हिज्बुल्लाह के खिलाफ जमीनी हमले की घोषणा की। उसने दक्षिणी लेबनान और बेरूत के दक्षिणी बाहरी इलाकों में बड़े पैमाने पर हवाई हमले भी किए हैं, जिसमें कम से कम 1,000 लोग मारे गए हैं और लगभग दस लाख लोग विस्थापित हुए हैं। जमीनी हमला दक्षिणी लेबनान के पहाड़ी कस्बों में केंद्रित है, जहाँ इजराइल रक्षा बलों को हिज्बुल्लाह लड़ाकों से कड़े प्रतिरोध का सामना करना पड़ रहा है।

इजराइल ने यह हमला क्यों शुरू किया?

कागजों पर, नवंबर 2024 में हिज्बुल्लाह और इजराइल के बीच युद्धविराम हो गया था। यह युद्धविराम हिज्बुल्लाह को कमजोर करने के उद्देश्य से चलाए गए एक महीने लंबे अभियान के बाद हुआ था; हिज्बुल्लाह लेबनान का एक शिया उग्रवादी समूह और राजनीतिक दल है जिसके ईरान के साथ करीबी संबंध हैं।

जब हमास के 7 अक्टूबर, 2023 के हमले के बाद इजराइल ने गाजा पर अपना आक्रमण शुरू किया, तो हिज्बुल्लाह ने शेबा फार्म्स में रॉकेट दागे, जो इजराइल के कब्जे वाला लेबनानी क्षेत्र है। इजराइल ने हवाई हमलों के साथ जवाब दिया, जिससे हिज्बुल्लाह के और रॉकेट हमले शुरू हो गए, जिसके कारण ऊपरी गैलिली क्षेत्र से हजारों इजराइली विस्थापित हो गए।

सितंबर 2024 में, इजराइल ने एक हवाई हमले में हिज्बुल्लाह के महासचिव हसन नसरल्लाह की हत्या कर दी।

इजराइल ने घोषणा की है कि वह हिज्बुल्लाह की सैन्य क्षमताओं को खत्म करना चाहता है, उन्हें दक्षिणी लेबनान से दूर धकेलना चाहता है, और लेबनानी क्षेत्र के अंदर एक बफर जोन बनाना चाहता है।

इजराइली योजना जमीनी हमला शुरू करने से पहले हिज्बुल्लाह की कमान संरचना को बाधित करना था। जमीनी लड़ाई के दौरान, इजराइल ने हिज्बुल्लाह लड़ाकों को सीमा से दूर धकेल दिया और दक्षिणी लेबनान में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर कब्जा कर लिया। उस वर्ष नवंबर में, इजराइल युद्धविराम के लिए सहमत हो गया, लेकिन उसने लेबनान में लगभग हर दिन हवाई हमले जारी रखे, जिसमें हिज्बुल्लाह के ठिकानों को निशाना बनाया गया। हिज्बुल्लाह ने शायद ही कोई जवाबी कार्रवाई की। फरवरी 2026 में, ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के एक संयुक्त इजराइली-अमेरिकी हवाई हमले में मारे जाने के बाद, हिज्बुल्लाह ने उत्तरी इजराइल में सैकड़ों रॉकेट दागे। इजराइल ने हवाई हमलों के साथ जवाबी कार्रवाई की, जिसके बाद जमीनी हमला शुरू हुआ। हिज्बुल्लाह क्या है? पिछले पाँच दशकों में, इजराइल ने लेबनान में कई हमले किए हैं। 1978 में, इजराइल ने दक्षिणी लेबनान में घुसपैठ की, ताकि उस क्षेत्र में मौजूद फि लिस्तीनी मिलिशिया को–जो फि लिस्तीन मुक्ति संगठन (ढछड) के तहत काम कर रहे थे–लिटानी नदी के उत्तर की ओर धकेला जा सके। 1982 में, इजराइल ने इसी मकसद से एक और हमला किया। वह ढछड को लेबनान से बाहर जाने पर मजबूर करने में कामयाब रहा, लेकिन इस युद्ध के नतीजों के तौर पर हिज्बुल्लाह एक उग्रवादी शिया संगठन के रूप में उभरा। ईरान, जहाँ 1979 में शिया धर्मगुरुओं ने एक इस्लामी सरकार बनाई थी, ने हिज्बुल्लाह का समर्थन किया। जब इजराइली सैनिक सीमा के लेबनानी हिस्से पर एक बफर बनाने के लिए दक्षिणी लेबनान में रुके रहे, तो हिज्बुल्लाह एक प्रमुख प्रतिरोधक शक्ति के रूप में सामने आया। हिज्बुल्लाह के छापामार हमलों का सामना करते हुए, इजराइली सैनिकों को 2000 में लेबनान से पीछे हटने पर मजबूर होना पड़ा–जिसे हिज्बुल्लाह ने ₹इजराइल के खिलाफ पहली अरब जीत₹ के तौर पर मनाया।

2006 में, इजराइल ने हिज्बुल्लाह के सैन्य ढांचे को तबाह करने के लिए लेबनान पर फिर से हमला किया। एक महीने तक चले अभियान के बाद, इजराइल को युद्धविराम पर सहमत होना पड़ा और पीछे हटना पड़ा। इससे हिज्बुल्लाह को लेबनान की सांप्रदायिक व्यवस्था में एक प्रमुख सामाजिक-राजनीतिक और उग्रवादी आंदोलन के रूप में उभरने का मौका मिला, जहाँ सेना बहुत कमजोर है। लेकिन इजराइल ने हमेशा हिज्बुल्लाह को–जिसे वह अमेरिका और अपने पश्चिमी सहयोगियों के साथ मिलकर एक आतंकवादी संगठन मानता है–एक ₹ईरानी प्रॉक्सी₹ कहा है। 2006 के युद्ध के बाद इजराइल-लेबनान सीमा पर एक बेचैन करने वाली शांति छाई रही, लेकिन 7 अक्टूबर 2023 को हमास के हमले ने उस शांति को भंग कर दिया।

यह संगठन सीरियाई गृहयुद्ध में राष्ट्रपति बशर अल-असद की सेनाओं के साथ मिलकर लड़ने के लिए शामिल हो गया। 2015 से 2018 के बीच गृहयुद्ध का रुख मोड़ने में हिज्बुल्लाह की भागीदारी ने एक अहम भूमिका निभाई।

हिज्बुल्लाह, जो लेबनान के भीतर ही एक समानांतर सत्ता (२३३ी ६३ॅल्ल ३ॅ २३३ी) की तरह काम करता है, के पास हजारों रॉकेट और मिसाइलें मौजूद हैं। हालाँकि, सितंबर 2024 में, इजराइल द्वारा किए गए पेजर धमाकों ने–जिनमें हिज्बुल्लाह के मध्यम-स्तरीय कमांडरों को निशाना बनाया गया और संगठन के शीर्ष नेतृत्व को मार गिराया गया–उसे पूरी तरह से अस्त-व्यस्त कर दिया। उस समय के आस-पास, अबू मोहम्मद अल-गोलानी–अल-कायदा का एक पूर्व जिहादी जो सीरिया के इदलिब को चला रहा था–ने दमिश्क पर कब्जा करने के लिए एक अभियान शुरू किया। सीरियाई सेना, जिसे सैकड़ों इजराइली हवाई हमलों का निशाना बनाया गया था, बहुत बुरी हालत में थी। सीरिया के तीन मुख्य समर्थक ईरान, रूस और हिज्बुल्लाह थे। रूस यूक्रेन में व्यस्त था। और ईरान के पास दांव-पेच खेलने की गुंजाइश सीमित थी। इजराइली हमलों के कारण हिज्बुल्लाह को पीछे हटना पड़ा। गोलानी के 'हयात तहरीर अल-शाम' (पहले 'जबहत अल-नुसरा', जो अल-कायदा की सीरियाई शाखा थी) को दमिश्क पर कब्जा करने में सिर्फ.12 दिन लगे।

दिसंबर में असद सरकार के पतन से एक अहम कड़ी टूट गई।

-डॉ. संतोषकुमार मिश्रा

अब खामोशी नहीं, फैसला होगा! : धुरंधर 2 का संवाद जिसने छेड़ी राजनीतिक जंग

-सुरेश गांधी

ये बदला नहीं, नया ऐलान है!. अब पाकिस्तान का मुस्तकबिल हिंदुस्तान तय करेगा. ये नया हिंदुस्तान है, ये घर में घुसेगा भी और मारेगा भी. धुरंधर 2 का यह संवाद अब सिर्फ सिनेमाघरों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सियासत के गलियारों में भी गूंजता सुनाई दे रहा है। फिल्म का यह एक वाक्य मौजूदा राजनीतिक माहौल, सरहदी तनाव और सत्ता की रणनीतियों पर सीधे सवाल खड़ा करता नजर आता है। रणवीर सिंह के दमदार अंदाज में बोले गए इस डायलॉग ने दर्शकों के भीतर जहां जोश भरा है, वहीं राजनीतिक विश्लेषकों के बीच नई बहस को जन्म दे दिया है। सिनेमा और सियासत के इस संगम में धुरंधर 2 अब एक फिल्म नहीं, बल्कि एक ऐसा बयान बन चुकी है, जिसकी गूंज बॉक्स ऑफिस से लेकर बहस के मंच तक साफ सुनाई दे रही है. वैसे भी सिनेमा जब सिर्फ मनोरंजन नहीं रहता, बल्कि समाज, सियासत और सरहदों की हकीकत को पर्दे पर उतारने लगता है, तब वह चर्चा से निकलकर बहस का विषय बन जाता है। धुरंधर 2 इसी श्रेणी की फिल्म बनकर उभरी है। यह फिल्म जितनी स्क्रीन पर चल रही है, उससे कहीं ज्यादा सोशल मीडिया, न्यूज डिबेट और जनमानस में चल रही है।

फिल्म में सीमा पार आतंकवाद और खुफिया एजेंसियों की जंग को बेहद नाटकीय तरीके से दिखाया गया है। दर्शकों में राष्ट्रवाद की भावना को उभारने के लिए कई ऐसे दृश्य हैं, जो तालियां बटोरते हैं। हालांकि, कुछ जगहों पर यह अति-आक्रामक राष्ट्रवाद भी लग सकता है। फिल्म का सबसे मजबूत पक्ष यूपी के माफिया नेटवर्क का चित्रण है। यहां अपराध, राजनीति और पुलिस के त्रिकोण को बारीकी से दिखाया गया है। यह हिस्सा दर्शकों को काफी रियल लगता है, क्योंकि इसमें हाल के वर्षों की घटनाओं की झलक साफ दिखती है। खास यह है कि धुरंधर 2 का असली असर सिनेमा हॉल से बाहर नजर आता है। फिल्म के कई संवाद और सीन सीधे तौर पर राजनीतिक विमर्श को छूते हैं। सत्ता पक्ष के समर्थकों को यह फिल्म अपने नैरेटिव को मजबूत करती नजर आ सकती है। वहीं विपक्ष के नजरिए से यह एक प्रोपेगैंडा टूल भी लग सकती है। यानी यह फिल्म मनोरंजन से ज्यादा डिबेट पैदा करती हैकृऔर यही इसकी ताकत भी है और विवाद की वजह भी।

थियेटर से निकलते वक्त दर्शकों की प्रतिक्रिया मिश्रित लेकिन तीखी है। युवाओं को एक्शन, देशभक्ति और डायलॉगबाजी खूब पसंद आ रही है। समझदार दर्शक इसके राजनीतिक संदेशों पर चर्चा करते दिख रहे हैं। कुछ लोग इसे हकीकत के करीब मानते हैं, तो कुछ इसे ओवरड्रामेटिक और एजेंडा-ड्रिवन कह रहे हैं। दरअसल, धुरंधर 2 एक ऐसी फिल्म है जो सिर्फ बॉक्स ऑफिस तक सीमित नहीं रहती, बल्कि सोशल मीडिया, टीवी डिबेट और आम बातचीत का हिस्सा बन जाती है। यह दर्शकों को सोचने पर मजबूर करती है कि क्या सिनेमा अब केवल मनोरंजन है या फिर सियासत का नया मंच? मतलब साफ है धुरंधर 2 अपने कंटेंट, कंट्रोवर्सी और करंट कनेक्शन के कारण एक टॉकिंग पॉइंट बन चुकी है। यह फिल्म आपको सिर्फ सीट से बांधकर नहीं रखती, बल्कि दिमाग में सवाल भी छोड़ जाती है, और शायद यही इसकी सबसे बड़ी सफलता है।

हकीकत और कल्पना का खतरनाक संगम

धुरंधर 2 की कहानी एक सीधी-सरल रेखा में नहीं चलती, बल्कि कई परतों में खुलती है। इसमें भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव, आतंकी नेटवर्क, यूपी के माफिया का विस्तार और राजनीतिक साजिशों का जाल एक साथ बुना गया है। निर्देशक आदित्य धर ने रियल लाइफ घटनाओं से प्रेरणा लेते हुए एक ऐसी कहानी गढ़ी है, जो दर्शकों को लगातार यह सोचने पर मजबूर करती है कि क्या यह सिर्फ फिल्म है या पर्दे पर चलती हकीकत।

रणवीर सिंह का किरदार : हमजा अली मजारी की दहशत

फिल्म में रणवीर सिंह ने हमजा अली मजारी का किरदार निभाया है, जो एक साधारण युवक से खूंखार खिलाड़ी बनता है। यह किरदार कई गुमनाम अपराधियों और सीमा पार के नेटवर्क से प्रेरित माना जा रहा है। फिल्म में उसका ट्रांसफॉर्मेशन, एक शमीर्ले लड़के से खून के प्यासे शख्स तक, दर्शकों को झकझोर देता है। उसका संवाद, अब भारत पाकिस्तान का फैसला करेगाह्व, थियेटर में सीटियां और तालियां दोनों बटोरता है, लेकिन साथ ही राजनीतिक बहस को भी हवा देता है।

सारा अर्जुन का किरदार : यालीना जमाली पर सबसे ज्यादा चर्चा

फिल्म का सबसे विवादित और चर्चित किरदार है सारा अर्जुन द्वारा निभाया गया यालीना जमाली। सोशल मीडिया पर इस किरदार की चीरफाड़ जारी है। कई रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि यह किरदार पाकिस्तान के राजनेता नबील गबोल की बेटी माहीन गबोल से प्रेरित हो सकता है। हालांकि मेकर्स ने इस पर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है, लेकिन दर्शकों के बीच यह चर्चा तेज है कि क्या यह किरदार रियल लाइफ से जुड़ा है? क्या इसमें गैंगस्टर नेटवर्क के कनेक्शन दिखाए गए हैं? यही रहस्य इस किरदार को और भी दिलचस्प बना देता है।

राकेश बेदी का किरदार : जमील जमाली और सियासी परछाई

राकेश बेदी द्वारा निभाया गया जमील जमाली भी चर्चा में है। कुछ रिपोर्ट्स इसे नबील गबोल से प्रेरित मानती हैं। फिल्म में यह किरदार सत्ता, परिवार और रहस्यों के बीच झूलता नजर आता है। यह दिखाता है कि कैसे पावरफुल परिवार अपने निजी जीवन को सार्वजनिक नजरों से बचाने की कोशिश करते हैंकृऔर यही बात दर्शकों को वास्तविकता से जोड़ती है।

संजय दत्त और अर्जुन रामपाल : खौफ का दूसरा चेहरा

फिल्म में संजय दत्त एसपी चौधरी असलम के रूप में कानून का सख्त चेहरा पेश करते हैं, जबकि अर्जुन रामपाल मेजर इकबाल के रूप में आईएसआई की खतरनाक रणनीति को सामने लाते हैं। दोनों किरदार यह साबित करते हैं कि इस खेल में सिर्फ एक ही खलनायक नहीं है, हर पक्ष अपनी-अपनी चाल चल रहा है।

बॉक्स ऑफिस : रिकॉर्ड तोड़ कमाई का सिलसिला

धुरंधर 2 सिर्फ चर्चा में ही नहीं, कमाई में भी धुरंधर साबित हुई है। 5वें दिन तक भारत में 65 करोड़ का कलेक्शन. वर्ल्डवाइड 800 करोड़ का आंकड़ा पार. भारत में नेट कलेक्शन 519.12 करोड़. ग्रॉस कलेक्शन 619.76 करोड़. पहले पार्ट ने भी 1300 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर इतिहास रचा था। यह फिल्म पीके और छावा जैसे बड़े रिकॉर्ड्स को पीछे छोड़ने की राह पर दिख रही है।

भारत-पाकिस्तान एंगल : राष्ट्रवाद बनाम सिनेमाई स्वतंत्रता

फिल्म का सबसे बड़ा आकर्षण और विवाद, दोनों भारत-पाकिस्तान एंगल है। आतंकवाद के खिलाफ सख्त रुख, खुफिया एजेंसियों की जंग, और बदले की भावना. यह सब दर्शकों में देशभक्ति का ज्वार पैदा करता है। लेकिन कुछ आलोचक इसे ओवर नेशनलिस्ट भी कह रहे हैं।

यूपी माफिया कनेक्शन : जमीन से जुड़ी कहानी

फिल्म में यूपी के माफिया नेटवर्क को जिस तरह दिखाया गया है, वह दर्शकों को रियल लगता है. अपराध और राजनीति का गठजोड़. सत्ता के लिए खून-खराबा और पुलिस की भूमिका. यह सब हाल के वर्षों की घटनाओं की झलक देता है।

सोशल मीडिया : हर किरदार कटघरे में

धुरंधर 2 की सबसे बड़ी सफलता यह है कि यह फिल्म थिएटर से निकलकर सोशल मीडिया पर जीवित है। ट्विटर पर किरदारों की तुलना रियल लाइफ से, यूट्यूब पर एक्सप्लेन वीडियो, फेसबुक पर राजनीतिक बहस. हर जगह यही सवाल कौन सा किरदार किससे प्रेरित है? सबसे बड़ा सवाल यही है क्या धुरंधर 2 मर्दानगी और बदले की फिल्मों की भीड़ से अलग खड़ी हो पाती है? सिनेमा का नया चेहरा या पुरानी रणनीति?

धुरंधर 2 एक ऐसी फिल्म है जो सिर्फ देखी नहीं जाती, बल्कि ह्वडिस्कसह्व की जाती है। यह फिल्म, मनोरंजन देती है, सोचने पर मजबूर करती है, और बहस छेड़ती है. शायद यही आज के दौर का सिनेमा है, जहां कहानी से ज्यादा उसका प्रभाव मायने रखता है। आखिर में सवाल वही : क्या ह्वधुरंधर 2ह्व एक बेहतरीन फिल्म है या एक बेहतरीन बहस? जवाब हर दर्शक अपने नजरिए से तय कर रहा है... और यही इसकी असली जीत है।

समाजसेवक श्रीनिवास सिरिमल्ले ने भिवंडी के पद्मशाली समाज के पदाधिकारियों से समाज द्वारा किये गये विकास व सांस्कृतिक कार्यों में पारदर्शिता की किया मांग

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। अखिल पद्मशाली समाज भिवंडी को संबोधित एक महत्वपूर्ण पत्र के माध्यम से समाज के बांधव श्रीनिवास मल्लय्या सिरिमल्ले ने समाज की विभिन्न समस्याओं और मांगों को लेकर ध्यान आकर्षित किया है। उन्होंने समाज के पदाधिकारियों से इन मुद्दों पर गंभीरता से विचार करने और आवश्यक निर्णय लेने की अपील की है। पत्र में उल्लेख किया गया है कि भिवंडी शहर में पद्मशाली समाज लंबे समय से सक्रिय है, लेकिन समाज के पूर्व और वर्तमान अध्यक्षों की स्पष्ट जानकारी उपलब्ध नहीं है। इस संबंध में समाज के इतिहास को संकलित करते हुए अध्यक्षों की सूची श्री मार्कंडेय मंदिर व समाज हॉल परिसर में प्रदर्शित करने की मांग की गई है। इसके अलावा, हर वर्ष रक्षाबंधन के अवसर पर समाज द्वारा आयोजित पालखी मे हथकरघे से बनाया हुवा शाल वितरण कार्यक्रम की पारदर्शिता को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। पत्र में यह भी कहा गया है कि अब तक कितनी शालें वितरित हुईं, किसने लीं और उनकी राशि का हिसाब सार्वजनिक किया जाए तथा इसकी जानकारी समाज कार्यालय व हॉल और मंदिर में फलक लगाया जाए। तीसरे भिवंडी में समाज की संपत्तियों को लेकर चिंता जताई गई है। पत्र के अनुसार, भिवंडी के कोंबडपाडा, कासार आळी आदि क्षेत्रों में समाज की कई संपत्तियां हैं, जिनकी पूरी जानकारी समाज के पास नहीं है। कुछ संपत्तियों पर अवैध कब्जे की भी आशंका जताई गई है। ऐसे में इन संपत्तियों की जांच कर उन्हें समाज के नियंत्रण में लेकर विकास कार्यों में उपयोग करने की मांग की गई है। अंत में, श्रीनिवास सिरिमल्ले ने समाज की कार्यकारिणी से इन सभी मुद्दों पर बैठक बुलाकर ठोस निर्णय लेने और लिखित रूप में जानकारी देने की विनती की है।

समाज कल्याण पुरस्कारों में पारदर्शिता पर अशोक पाटोले ने सिफारिश व दलालों के हस्तक्षेप पर कार्रवाई की किया मांग

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र शासन के सामाजिक न्याय एवं विशेष सहायता विभाग द्वारा दिए जाने वाले समाज कल्याण पुरस्कारों की चयन प्रक्रिया को लेकर पारदर्शिता पर सवाल उठने लगे हैं। भिवंडी के साहित्यरत्न अण्णा भाऊ साठे मध्यवर्ती जयंती उत्सव मंडल के सरचिटणीस अशोक रामराव पाटोले ने इस संबंध में गंभीर आपत्तियां दर्ज कराते हुए सिफारिशों और दलालों के कथित हस्तक्षेप पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पाटोले ने 23 मार्च 2026 को सामाजिक न्याय मंत्री संजय शिरसाट, प्रादेशिक उपायुक्त (मुंबई) तथा सहायक आयुक्त (ठाणे) को प्रांत अधिकारी, भिवंडी के माध्यम से विस्तृत निवेदन सौंपा। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ मामलों में बिना ठोस सामाजिक कार्य के ही केवल जनप्रतिनिधियों की सिफारिश पर पुरस्कार दिए जा रहे हैं। साथ ही, पुरस्कार राशि में दलालों के जरिए अनियमितताओं की शिकायतें भी सामने आ रही हैं। उन्होंने कहा कि हर वर्ष डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर समाज भूषण पुरस्कार, साहित्यरत्न अण्णा भाऊ साठे पुरस्कार, कर्मवीर दादासाहेब गायकवाड़ पुरस्कार, संत रविदास पुरस्कार सहित अन्य सम्मान समाज के लिए उल्लेखनीय कार्य करने वालों को दिए जाते हैं। लेकिन वर्तमान प्रक्रिया में खामियों के कारण वास्तविक समाजसेवकों के साथ अन्याय हो रहा है और पुरस्कारों की गरिमा प्रभावित हो रही है। पाटोले ने मांग की है कि चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने के लिए स्पष्ट मानदंड तय किए जाएं, स्वतंत्र जांच प्रणाली लागू हो तथा जवाबदेही सुनिश्चित की जाए। उन्होंने जोर देकर कहा कि चयन में व्यक्ति या संस्था के वास्तविक कार्य, समाज पर प्रभाव, निरंतरता और ईमानदारी को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने विश्वास जताया कि यदि चयन प्रक्रिया निष्पक्ष और पारदर्शी बनाई गई, तो समाज के लिए निस्वार्थ भाव से कार्य करने वाले लोगों को न्याय मिलेगा और पुरस्कारों की प्रतिष्ठा भी बनी रहेगी।

हत्या के मामले में फरार आरोपी को काशीगांव पुलिस ने किया गिरफ्तार

तारकेश्वर पांडे/मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा रोड़ में विगत 22 मार्च 2026 को शिकायतकर्ता नीरज सिंह, पता पूर्वी चंपारण जिला, बिहार राज्य, ने काशीगांव पुलिस स्टेशन को ईमेल के माध्यम से सूचित किया कि बिहार राज्य के मोतिहारी स्थित सत्र न्यायालय ने भारतीय दंड संहिता की धारा 302, 307, 324, 325, 326, 147, 148, 149, 447, 341, 342, 120(बी), 504, 506 के तहत दर्ज अपराध के संबंध में आरोपी अमरेंद्र कुमार रामनगिना सिंह के खिलाफ गैर-कानूनी वारंट जारी किया है। यह मामला पकडीदयाल पुलिस स्टेशन, मोतिहारी, पूर्वी चंपारण जिला, बिहार में दर्ज है। चूंकि उक्त आरोपी पिछले चार वर्षों से बिहार राज्य में नहीं मिल पाया है और फरार है तथा मीरा रोड, महाराजा नर्सरी, काशीगांव, तालुका ठाणे में रह रहा है, इसलिए उन्होंने ईमेल के माध्यम से उसकी तलाश करने का अनुरोध किया है। प्राइवेट नीरज सिंह द्वारा भेजे गए ईमेल का गंभीरतापूर्वक संज्ञान लेते हुए, मामले की सूचना तुरंत वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई, जिन्होंने काशीगांव पुलिस स्टेशन को हत्या जैसे गंभीर अपराध में आरोपी को ढूंढकर गिरफ्तार करने का निर्देश दिया। आरोपी अमरेंद्र कुमार रामनगिना सिंह को एक गुप्त सूचना दाता के माध्यम से खोजा गया और वह हिलटॉप होटल मुंबई-अहमदाबाद राजमार्ग, वसार्वे गांव, मीरा रोड (पु) में मिला। उसे हिरासत में लेकर उक्त अपराध के लिए गिरफ्तार कर लिया गया। अभियुक्त अमरेंद्र कुमार रामनगिना सिंह को 23.03.2026 को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया और माननीय न्यायालय ने उक्त अभियुक्त को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। हालांकि, काशीगांव पुलिस स्टेशन ने एक निजी व्यक्ति द्वारा ईमेल के माध्यम से दी गई जानकारी का तुरंत संज्ञान लेकर और हत्या जैसे गंभीर मामले में 4 साल से फरार आरोपी को गिरफ्तार कर-के उत्कृष्ट कार्य किया है।

उपरोक्त कार्य निकेत कौशिक, पुलिस आयुक्त, मीरा भायंदर वसई विरार पुलिस आयुक्त कार्यालय, दत्तात्रेय शिंदे, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, संदीप डोइफोडे, पुलिस उपायुक्त अपराध अतिरिक्त प्रभार जोन एक, गणपत पिंगले, सहायक पुलिस आयुक्त, मीरा रोड डिवीजन, राहुल कुमार पाटिल, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक, काशीगांव पुलिस स्टेशन, संजय पुजारी, पुलिस निरीक्षक (अपराध), विजय साठे, अभिजीत लांडे, पुलिस उप निरीक्षक अपराध पहचान शाखा, छठे पुलिस उप निरीक्षक दीपक वारे, और अपराध पहचान शाखा के अनमलदार पुलिस अधिकारी हवा प्रताप पंचुडे, पुलिस अधिकारी किरण विर्कर, प्रवीण थोम्ब्रे, पुलिस अधिकारी नामदेव देवकाटे, अभिषेक मांडवी और रविंद्र सोनवाने के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई किया गया।

चेंबूर के अमर महल में सिग्नल स्कूल नामक अनोखी पहल की शुरूआत

मुंबई (उत्तरशक्ति)। बेघर, प्रवासी और स्कूल से वंचित बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के उद्देश्य से सिग्नल स्कूल नामक एक अनोखी पहल की शुरूआत मुंबई में की गई है। चेंबूर के अमर महल इलाके में सांताक्रूज-चेंबूर लिंक रोड फ्लाईओवर के नीचे इस स्कूल का उद्घाटन मुंबई की महापौर रितू तावडे के हाथों हुआ। आदिवासी पारधी महासंघ मुंबई व नवी मुंबई के अध्यक्ष तथा लक्ष्मी देवी आदिवासी पारधी ट्रस्ट के अध्यक्ष संतोष एकनाथ पवार की संकल्पना पर एक नए सिग्नल स्कूल का उद्घाटन मुम्बई में संपन्न हुआ। यह स्कूल मुंबई का पहला सिग्नल स्कूल है। इससे पहले नवी मुंबई के नेरुल और थाने में ऐसे दो सिग्नल स्कूल खोले गए हैं।

इस मौके पर महापौर ने कहा कि सिग्नल स्कूल जैसे रचनात्मक और सामाजिक उपक्रमों को समाज के हर वर्ग का सहयोग मिलना चाहिए। सड़क किनारे या फ्लाईओवर के नीचे रहने वाले बच्चों को शिक्षा से जोड़ना चुनौतीपूर्ण काम है, लेकिन यह उनके भविष्य को बदलने की ताकत रखता है।

यहां बच्चों को प्राथमिक शिक्षा के साथ-साथ व्यावसायिक प्रशिक्षण, लघु उद्योग प्रशिक्षण, पाककला, रोबोटिक्स लैब, विज्ञान प्रयोगशाला और कंप्यूटर शिक्षा जैसी सुविधाएं भी दी जाएंगी। इसके अलावा विशेष शिक्षण पद्धति पर आधारित गतिविधि पुस्तकों का भी विमोचन किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत देवी सरस्वती की पूजा से हुई। उसके बाद, रिबन काटकर स्कूल का उद्घाटन किया।

यह सिग्नल स्कूल सिर्फ.प्राइमरी एजुकेशन तक ही सीमित नहीं है, बल्कि स्टूडेंट्स के ऑल-राउंड डेवलपमेंट पर भी फोकस करता है। स्कूल में अनेक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

इसके जरिए स्टूडेंट्स को एकेडमिक नॉलेज के साथ-साथ टेक्निकल और स्किल-बेस्ड एजुकेशन भी मिलेगी, जो उनके भविष्य के लिए बहुत काम आएगी।

प्रोग्राम में मौजूद सभी गणमान्य लोगों ने इस पहल की दिल से तारीफ की। खासकर, मुंबई की महापौर श्रीमती रितु तावड़े ने संतोष एकनाथ पवार के काम की तारीफ करते हुए कहाः कि संतोष पवार ने बहुत मेहनत से यह पहल शुरू की है। उनका मुख्य मकसद है कि समाज के दूसरे भाइयों को उनकी तरह मुश्किलें न झेलनी पड़ें, बल्कि वे पढ़-लिखकर आगे बढ़ें। उन्होंने यह भी बताया कि हालांकि यह सिग्नल स्कूल दूसरे स्कूलों जैसा ही है, लेकिन यहां स्टूडेंट्स को और ज्यादा सीखने का मौका मिलता है।

दूसरे गणमान्य लोगों ने भी ऐसे और स्कूल शुरू करने की जरूरत बताई। कार्यक्रम के दौरान मौजूद सभी अतिथियों को सम्मानित किया गया।चेंबूर में शुरू हुआ यह सिग्नल स्कूल सिर्फ.एक एजुकेशनल पहल ही नहीं है, बल्कि आदिवासी पारधी कम्युनिटी की तरक्की के लिए भी एक जरूरी कदम है।संतोष एकनाथ पवार के नेतृत्व में यह पहल समाज के जरूरतमंद बच्चों को एजुकेशन की मुख्य धारा में लाने में मदद कर रही है। इसमें कोई शक नहीं कि अगर भविष्य में ऐसे और स्कूल शुरू किए जाते हैं, तो यह समाज के कई बच्चों की ज़िंदगी बदलने में बहुत मददगार होगा।

पेट्रोल पंप पर भारी भीड़ - कुछ पेट्रोल पंप पर पेट्रोल खत्म

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण डोंबिवली से लेकर उल्हासनगर ,अंबरनाथ और बदलापुर शहर में पेट्रोल और डीजल की कमी की अफवाह फैलते ही पेट्रोल पंपों पर भारी भीड़ देखने को मिल रही है। कई इलाकों में तो लोग सुबह 5 बजे से ही लाइन लगाकर खड़े हो गए थे। और कई जगह बाइक-कार वाले डिब्बे-बोतल लेकर पेट्रोल पंप की तरफ दौड़ पड़े हैं। अफवाह इतनी तेजी से फैली कि कुछ पंपों पर स्टॉक खत्म होने का बोर्ड लगा दिया ।

कहा जा रहा है कि ईरान-इजराइल युद्ध के नतीजे हमारी ज़िंदगी पर असर डालने लगे हैं जैसे कमर्शियल गैस सिलेंडर की भारी कमी के कारण होटल का बिजनेस पूरी तरह बंद हो गया।

होटल मालिक अपनी ज़िंदगी चलाने के लिए कोयले की भट्टियां जलाने को मजबूर हैं, वैसे ही बुधवार सुबह पेट्रोल पंप पर गाड़ियों में पेट्रोल भरवाने के लिए लंबी लाइन लगी हुई थी। इसका परिणाम यह हुवा की कुछ पेट्रोल मालिकों को पेट्रोल खत्म होने का बोर्ड लगाना पड़ा।

मीरा रोड़ पूर्व में लगी भीषण आग पर नगर निगम अग्निशमन विभाग ने सफलतापूर्वक काबू पा लिया

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा रोड में गत 24 मार्च, 2026 को मीरा भायंदर नगर निगम के अधिकार क्षेत्र में आने वाले काशीमीरा मीरा रोड पूर्व के प्लेजेंट पार्क और मुंशी कंपाउंड क्षेत्रों में लगी आग पर नगर निगम के अग्निशमन विभाग ने सफलतापूर्वक काबू पा लिया है। नगर निगम के आयुक्त राधा विनोद ए. शर्मा, के मार्गदर्शन में संपूर्ण बचाव और अग्निशमन कार्य शीघ्रता से किया गया।

इस संबंध में विस्तृत रिपोर्ट यह है कि 24 मार्च, 2026 को रात 8:55 बजे सिल्वर पार्क फायर स्टेशन को श्रीमती रितुजा वाघ का फोन आया, जिसमें आग लगने की सूचना दी गई थी। सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग के अधिकारी और कर्मचारी तुरंत मौके पर पहुंचे। जब अग्निशमन दल रात करीब 9:00 बजे मौके पर पहुंचा और निरीक्षण किया तो पाया गया कि खुले स्थान पर रखे गए मंडप की सजावट सामग्री और फर्नीचर में आग लग गई थी। आग की बढ़ती तीव्रता को देखते हुए, तुरंत होज लाइन बिछाकर आग बुझाने का काम शुरू किया गया। चूंकि

इलाके में बड़ी संख्या में आवासीय इमारतें थीं, इसलिए आग फैलने का खतरा था। अतः कल्पना चावला, कनकिया, नवघर और पेंकर पाड़ा के दमकल अड्डों से अतिरिक्त बल और दमकल गाड़ियां तुरंत बुलाई गईं। सभी टीमों के मौके पर पहुंचने के बाद, रात करीब 11:30 बजे चारों ओर से पानी छिड़ककर आग पर काबू पाया गया। इसके बाद शीतलन प्रक्रिया शुरू की गई और सुबह 4:00 बजे तक आग पूरी तरह बुझा दी गई। इस घटना के कारण, अभी तक पता नहीं चला है। आग की गर्मी से क्षेत्र की लगभग 5 आवासीय इमारतों को कुछ नुकसान पहुंचा है उसके साथ ही, लगभग 1000 निवासियों को सुरक्षित निकाल लिया गया। धुएं और आग लगने के संभावित खतरे को देखते हुए, इमारतों को खाली करा लिया गया। किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। एहतियात के तौर पर, अडानी इलेक्ट्रिसिटी के कर्मचारियों को तुरंत घटनास्थल पर बुलाया गया और उनकी मदद से क्षेत्र की बिजली आपूर्ति अस्थायी रूप से काट दी गई। घटना के दौरान आयुक्त राधा बिनोद ए. शर्मा, अग्निशमन विभाग प्रमुख और आपातकालीन विभाग प्रमुख के साथ लगातार संपर्क में थे और स्थिति पर कड़ी नजर रखे हुए थे। सिल्वर पार्क, पेंकर पाड़ा, कनकिया, नवघर और अग्निशमन केंद्रों से कुल 10 दमकल गाड़ियां, 13 अधिकारी और लगभग 40 कर्मचारी घटनास्थल पर कार्यरत थे। इसके अलावा, काशीमीरा और मीरा रोड पुलिस स्टेशनों के अधिकारी और कर्मचारी भी मौजूद थे। नगर निगम के आपातकालीन विभाग प्रमुख नरेंद्र चव्हाण और स्थानीय जन प्रतिनिधि भी घटनास्थल पर उपस्थित थे। फिलहाल स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और आगे की जांच जारी है।

नवमी पर श्रीराम कथा महायज्ञ का होगा समापन, भव्य शोभायात्रा निकलेगी

मुंबई (उत्तरशक्ति)। श्री मंगल की अगुवाई में आयोजित 7 दिवसीय संगीतमय श्रीराम कथा महायज्ञ का समापन नवमी के अवसर पर होगा। कथा आयोजन में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है और प्रतिदिन भक्ति, संगीत व आध्यात्मिक संदेशों से वातावरण राममय बना हुआ है। कथा के दौरान कथाव्यास ने सती की परीक्षा, शिव विवाह का वर्णन तथा श्रीराम कथा में शिव-पार्वती विवाह की झांकी प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। कथा में बताया गया कि मनुष्य जीवन में भगवान का स्मरण, सत्संग और मयार्दा का पालन अत्यंत आवश्यक है। रामकथा जीवन को सत्य, प्रेम और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती

है। आयोजन समिति के अनुसार श्रीराम नवमी के अवसर पर भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी, जो प्रमुख मार्गों से होते हुए रुक्मणी मंदिर में सम्पन्न होगी। शोभायात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

समिति के अध्यक्ष श्रीनिवास तिवारी ने कहा कि श्रीराम कथा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि समाज को एकता, संस्कार और मयार्दा का संदेश देने का माध्यम है। नवमी के अवसर पर आयोजित समापन समारोह और शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होंगे। वहीं भाष्कर दुबे ने कहा कि इस तरह के धार्मिक आयोजन समाज में भक्ति, सकारात्मकता और सांस्कृतिक चेतना को मजबूत करते हैं। श्रीराम कथा महायज्ञ से क्षेत्र का वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया है और शोभायात्रा को लेकर लोगों में विशेष उत्साह है। आयोजकों ने अधिक से अधिक श्रद्धालुओं से कथा व शोभायात्रा में शामिल होकर धर्मलाभ लेने की अपील की है।

बोईसर में विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन आज

पालघर(उत्तरशक्ति/ अजीत सिंह)। श्री रामनवमी उत्सव के उपलक्ष्य में सकल हिंदू समाज द्वारा विराट हिंदू सम्मेलन का भव्य आयोजन गुरुवार 26 मार्च 2026 को शाम 4.00 बजे से 7.00 बजे तक आयोजित किया जायेगा। इस आयोजन में जिले के हर वर्ग के लोगों को एकजुट होने और धर्म की महत्ता को समझने का अवसर मिलेगा।कार्यक्रम का आयोजन पालघर जिले के बोईसर शहर अंतर्गत गणेश नगर, राणीशिगांव रोड, स्वागतम गली, अंबिका एनक्लेब बिल्डिंग के सामने स्थित ग्राउंड में किया जायेगा।

कार्यक्रम में प्रमुख वक्ता धर्म की आस्थाओं, धार्मिक एकता व हिन्दू समाज के समृद्ध इतिहास के बारे में बात करेंगे। आयोजन के दौरान भगवान श्रीराम और मराठा साम्राज्य के महान वीर योद्धा छत्रपति शिवाजी महाराज के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर पूजन किया जायेगा। आयोजन समिति के अनुसार, इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में धर्म के प्रति जागरूकता एवं एकता का प्रसार करना है। इसके साथ ही हर हिन्दू को अपने धर्म के प्रति आस्था बनाये रखने के लिए प्रेरित किया जायेगा। सम्मेलन में हजारों की संख्या में लोग शामिल होंगे।

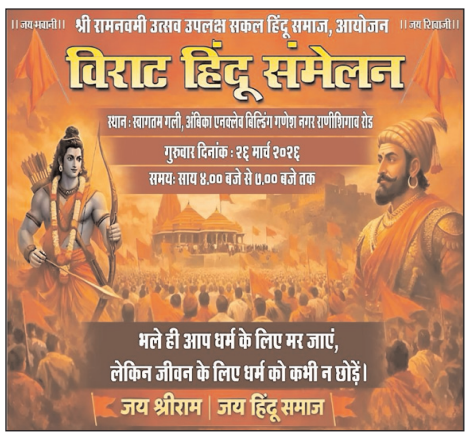

कार्यक्रम में प्रमुख वक्ता द्वारा दिए जाने वाले संदेश में कहा गया कि भले ही आप धर्म के लिए मर सकते हैं, लेकिन जीवन के लिए धर्म को कभी न छोड़ें। यह आयोजन एक ऐतिहासिक क्षण होगा, जहां हिन्दू धर्म की एकता व महिमा को और भी मजबूत बनाने का प्रयास किया जायेगा।

संजय राउत का पीएम मोदी पर हमला, बोले- अमेरिकी राष्ट्रपति से नहीं, विपक्ष से करें बात

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विदेश नीति संबंधी दृष्टिकोण की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री को अंतरराष्ट्रीय वाताओं के बजाय घरेलू राजनीतिक परामर्श पर अधिक ध्यान देना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति के बीच हाल ही में हुई फोन कॉल पर टिप्पणी करते हुए यूबीटी सांसद ने कहा कि मध्य पूर्व संकट जैसे वैश्विक मुद्दों पर डोनाल्ड ट्रंप से बातचीत करने के बजाय मोदी को भारत में विपक्ष से बात करनी चाहिए, जिससे बेहतर परिणाम मिलेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि ट्रंप ऐसे व्यवहार कर रहे हैं मानो वे मोदी के बॉस हों।

संजय राउत ने कहा कि ट्रम्प से बात करने के बजाय, मोदी को देश के विपक्ष से बात करनी चाहिए; उन्हें उनसे बेहतर सुझाव मिलेंगे। ट्रम्प तो मोदी के बॉस जैसे हैं। राउत ने मौजूदा वैश्विक संघर्षों में भारत की भूमिका पर सवाल उठाते हुए पाकिस्तान की कूटनीतिक स्थिति का जिक्र किया और कहा कि पाकिस्तान ने ट्रंप के साथ बातचीत में समझौता करने की इच्छा दिखाई है, जिसकी सराहना की जा रही है।

उन्होंने आगे कहा कि दुनिया भर

में चल रहे वैश्विक संघर्षों में भारत की क्या भूमिका है? पाकिस्तान जैसे देश ने आज एक रुख अपनाया है - उसने ट्रंप को बताया है कि वह समझौते के लिए तैयार है, और ट्रंप ने इसका स्वागत और सराहना की है। इसका मतलब है कि ट्रंप मोदी को मूर्ख बना रहे हैं। केंद्र सरकार ने बुधवार को एक घंटे 45 मिनट तक चली सर्वदलीय बैठक में सभी राजनीतिक दलों को आश्वासन दिया कि भारत की ऊर्जा सुरक्षा स्थिर बनी हुई है और अतिरिक्त खेपें रास्ते में हैं। सरकार ने कहा कि पर्याप्त ऊर्जा सुरक्षा है और देश की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा किया जा रहा है। सरकार ने यह भी कहा कि उसने अग्रिम बुकिंग कर ली है, कई देशों के साथ बातचीत कर रही है और निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए अपने समझौतों में विविधता लाई है।

बैठक के बाद केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि आज सरकार द्वारा पश्चिम एशिया की स्थिति पर सर्वदलीय बैठक बुलाई गई थी। मैं बैठक में भाग लेने वाले सभी दलों के सदस्यों को धन्यवाद देना चाहता हूं। सरकार ने विपक्षी नेताओं के सभी प्रश्नों और शंकाओं का उत्तर दिया। सभी विपक्षी दलों ने हमें आश्वासन दिया है कि वे स्थिति के अनुसार सरकार द्वारा उठाए जाने वाले सभी कदमों में सरकार के साथ खड़े रहेंगे। उन्होंने कहा कि सभी उपस्थित रहे और सभी ने अच्छी तरह से भाग लिया। सभी दल के नेताओं ने जानकारी साझा की और अपने-अपने दलों की ओर से अपनी चिंताएं व्यक्त कीं।

महाराष्ट्र में मनरेगा स्कीम में घोर लापरवाही बरती गई, कैग की रिपोर्ट में खुलासा

मुंबई। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना में महाराष्ट्र में भारी लापरवाही बरती गई है। विधानमंडल के बजट सत्र के आखिरी दिन सदन में पेश भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट में कहा गया है कि सरकार ने मनरेगा के लिए केंद्र सरकार द्वारा बनाये गए कई नियमों का उल्लंघन किया है। इससे योजना का लाभ जिस तरह से लोगों को मिलना चाहिए था वह नहीं मिल पाया। इसमें हर 5 साल में एक बार बेसलाइन सर्वे करने की जरूरत होते है , लेकिन सरकार ने सर्वे नहीं किया। योजना के तहत हर पांच साल में एक बार बेसलाइन सर्वे करने की जरूरत थी।महाराष्ट्र सरकार ने कोई बेसलाइन सर्वे नहीं किया था। इसी तरह सरकार ने योजना को लागू करने के लिए राज्य का हिस्सा 4 से 242 दिन देरी से जारी किया। वहीं मजदूरों के पेमेंट में एवरेज देरी सात परसेंट थी। कैग रिपोर्ट में कहा गया है कि इसके लिए हर उस ग्रामीण परिवार को एक फाइनेंशियल ईयर में कम से कम 100 दिनों के लिए गारंटी वाला रोजगार दिया जाता है। ऑडिट रिपोर्ट में कहा गया है कि कंट्रोल, सोशल मॉनिटरिंग और रोकथाम सिस्टम की जांच भी की गई। ऑडिट में अहिल्यानगर, अमरावती, छत्रपति संभाजीनगर, धाराशिव, नागपुर और पालघर के 12 तालुका और 48 ग्राम पंचायतों के साल 2019-20 से 2023-24 के रिकॉर्ड की जांच की गई।

राज्य की 28279 ग्राम पंचायतों में से 2258 ग्राम पंचायतों में ग्राम पंचायत लेवल पर काम करने के लिए ग्राम रोजगार सहायक नहीं नियुक्त किए गए थे। साथ ही चुनी गई 48 ग्राम पंचायतों में से 2021-22 से 2023-24 के दौरान 26 ग्राम पंचायतों में कोऑपरेटिव नियुक्त नहीं किए गए।इस स्कीम के तहत डोर-टू-डोर सर्वे के लिए जिन 48 ग्राम पंचायतों की स्क्रीनिंग की गई, इनमें से 22 (46 प्रतिशत) ग्राम पंचायतों का सर्वे नहीं हुआ। चुनी गई 48 ग्राम पंचायतों में से 47 में जॉब कार्ड के लिए एप्लीकेशन भेजने की तारीख जारी किए गए जॉब कार्ड की डिटेल्स दिखाने वाला रेकॉर्ड अपडेट नहीं किया गया था।

ऑडिट में जॉब कार्ड के मेंटेनेंस में गलतियां जैसे रजिस्टर्ड सदस्यों की तस्वीरें न होना और काम की डिटेल्स नहीं है।

कैग ने अपनी रिपोर्ट में सात सुझाव दिए हैं, इसमें कहा गया है कि सरकार एक बेसलाइन सर्वे करने के लिए सही कदम उठाए जिससे यह सालाना एक्शन प्लान में तय हो सके।

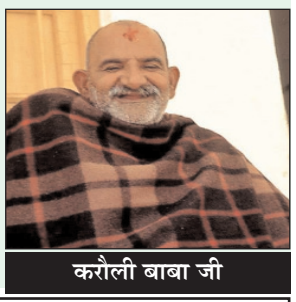

करौली बाबा जी

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

बेटे ने पेंशनर मां को पीटकर किया अधमरा, भाभी व भतीजी भी गंभीर

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय कस्बे के शेखजादा मोहल्ले में बुधवार को एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां एक

बेटे ने अपनी ही बुजुर्ग मां की बेरहमी से पिटाई कर दी। घटना में बीच-बचाव करने पहुंची भाभी और भतीजी भी गंभीर रूप से घायल हो गईं। तीनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से जिला अस्पताल रेफर किया गया है, जहां उनकी हालत चिंताजनक बनी हुई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मोहल्ला निवासी लगभग 80 वर्षीय शीला सिंह, जो राजकीय कन्या पाठशाला में प्रवक्ता रह चुकी हैं, अपने पुत्रों के साथ रहती थीं। उनके पति स्वर्गीय वीरेन्द्र सिंह भी केराकत के एक इंटर कॉलेज में प्रवक्ता थे, जिनका करीब छह माह पूर्व निधन हो चुका है। परिवार में चार पुत्र हैं, जिनमें से पप्पू और भोलू उर्फ संदीप मां के साथ रहते हैं।

बताया जा रहा है कि बुधवार सुबह करीब 11 बजे किसी बात को लेकर भोलू उर्फ संदीप को गुस्सा आ गया और उसने डंडे व लात-घूंसों से मां की बेरहमी से पिटाई कर दी। हमले के दौरान बीच-बचाव करने पहुंची भाभी शालिनी सिंह और भतीजी वार्तिका सिंह भी उसकी मारपीट का शिकार हो गईं।

हमले में शीला सिंह के सिर, पेट और पीठ में गंभीर चोटें आईं, जिससे वह मौके पर ही बेहोश हो गईं। परिजनों द्वारा तत्काल उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र केराकत ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

घटना की सूचना मिलते ही क्षेत्राधिकारी अजीत कुमार रजक व प्रभारी निरीक्षक अरविन्द कुमार पाण्डेय मौके पर पहुंचे और त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी बेटे को हिरासत में ले लिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। समाचार लिखे जाने तक तीनों घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है।

फर्जी आधार कार्ड से ई-टिकट बनाने वाले गिरोह का पदार्फाश, दो आरोपी गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद की कोतवाली पुलिस ने फर्जी आधार कार्ड के जरिए ई-टिकट तैयार करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई 25 मार्च 2026 को थाना प्रभारी विश्वनाथ प्रताप सिंह के नेतृत्व में की गई। पुलिस के अनुसार, आरोपी टेसला

सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल कर फर्जी आधार कार्ड के माध्यम से अवैध रूप से ई-टिकट जनरेट करते थे। इस कार्य से वे लोगों को ठगने और अवैध कमाई करने में लगे हुए थे। गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने आरोपियों के पास से एक टैबलेट, मोबाइल फोन तथा कई फर्जी आधार कार्ड बरामद किए हैं। बरामद सामग्री के आधार पर यह स्पष्ट हुआ है कि आरोपी लंबे समय से इस अवैध गतिविधि में संलिप्त थे। इस संबंध में कोतवाली थाने में मु0अ0सं0 66/26 के तहत धारा 318(2), 336(2), 338, 340(2) बीएनएस, धारा 143 रेलवे अधिनियम तथा 66सी/डी आईटी एक्ट के अंतर्गत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस द्वारा आरोपियों से पूछताछ की जा रही है तथा इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश भी तेज कर दी गई है।

यूनियन बैंक से अग्निपीड़ित व्यापारी को मिला 10 लाख का क्लेम

गौराबादशाहपुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गौराबादशाहपुर कस्बे के अग्निपीड़ित किराना व्यवसाई अभिषेक कुमार को यूनियन बैंक से दस लाख रुपये का क्लेम प्राप्त हो गया है। इससे व्यवसायी को कुछ राहत मिलेगी। अभिषेक कुमार की कस्बा के गौरा बाजार में थोक किराना की दुकान रही है। बीते 21 दिसंबर को दिन में दुकान में आग लग गई थी। जिसमें दुकान पूरी तरह से जलकर नष्ट हो गई थी। यूनियन बैंक आफ इंडिया की गौराबादशाहपुर शाखा के प्रबंधक रंजीत कुमार ने बताया व्यवसाई का बैंक से दस लाख रुपये का लोन था। बैंक ने चोला मंडलम जनरल इंश्योरेंस से लोन का इंश्योरेंस कराया था। अग्निकांड के बाद जांच पड़ताल कर बैंक ने 90 दिनों के अंदर क्लेम पास कराकर व्यापारी को राहत दिया गया है। शाखा प्रबंधक ने व्यापारियों से दुकानों के इंश्योरेंस कराने की अपील की है। अग्निपीड़ित अभिषेक कुमार ने बैंक का आभार व्यक्त किया है।

पत्रकार संजय कुमार दुबे के चाचा राजनाथ दुबे का आकस्मिक निधन

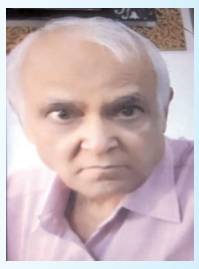

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। महाराजगंज से पत्रकार संजय कुमार दुबे के चाचा का बीती रात असामयिक मौत हो जाने से शोक की लहर फैल गई है।चाचा राजनाथ दुबे लखनऊ में निवास करते थे और काफी दिनों से स्वास्थ ठीक नहीं था। पूर्व में राजकीय सेवा में ग्रामीण अभियंत्रण विभाग में कार्यरत थे। उनको एक पुत्र अजय कुमार दुबे है जो वोल्टास कंपनी में रीजनल मैनेजर उत्तर प्रदेश और उत्तरा खंड प्रांत में तैनात है।इनका दाह संस्कार वाराणसी के मणिकर्णिका घाट पर किया गया। सांसद सीमा द्विवेदी, पूर्व विधायक बाबा दुबे, वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे, पत्रकार प्रमोद पांडे, प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष अनिल यादव, ब्लॉक अध्यक्ष उमेश मिश्रा, पत्रकार अमित पांडे,राजीव दुबे ,श्रेयांस दुबे ,अथर्व दुबे,स्वतंत्र कुमार दुबे, अंकित दुबे समेत अनेक लोगों ने उनके निधन पर गहरा दुख प्रकट करते हुए उनकी आत्मा की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना की है।

कोटेदार ने बेचा सरकारी राशन, मुकदमा दर्ज कर पुलिस जांच में जुटी

शुभम कुमार यादव

गौराबादशाहपुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकास खंड मुफ्तीगंज के ग्राम निशान में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत गरीबों को मिलने वाला राशन बेचकर फरार होने का मामला सामने आया है। पूर्ति विभाग की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी कोटेदार के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, पूर्ति निरीक्षक गायत्री चौहान को शिकायत मिली थी कि मार्च माह का राशन अब तक लाभार्थियों में वितरित नहीं किया गया है। शिकायत के आधार पर जब ग्राम निशान स्थित उचित दर दुकान की जांच की गई तो दुकान बंद मिली और कोटेदार सर्वेश चौरसिया मौके से गायब पाया गया। जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी दुकान की चाबी अपने एक रिश्तेदार को सौंपकर परिवार सहित चेन्नई चला गया है। मौके पर दुकान में खाद्यान्न का कोई स्टॉक नहीं मिला, जिससे राशन के गबन की पुष्टि हुई। फोन पर हुई बातचीत में आरोपी ने स्वीकार किया कि उसने अपनी पत्नी के इलाज के लिए सरकारी राशन बेच दिया। अभिलेखों के अनुसार 33.20 क्विंटल गेहूं, 119.96 क्विंटल चावल और 2.34 क्विंटल चीनी का गबन किया गया है। थानाध्यक्ष प्रवीण कुमार यादव ने बताया कि जिलाधिकारी की अनुमति के बाद आरोपी के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की विवेचना उपनिरीक्षक मुन्ना लाल शर्मा को सौंपी गई है। पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी है।

शाहगंज पुलिस की कार्रवाईः 13 लोग शांति भंग में गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के तहत थाना शाहगंज पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 13 व्यक्तियों को शांति भंग की आशंका में गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया। यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह के निर्देश पर चलाए जा रहे अपराध नियंत्रण

अभियान के तहत की गई। अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष श्रीवास्तव व क्षेत्राधिकारी शाहगंज अजीत सिंह चौहान के निर्देशन में पुलिस टीम ने 25 मार्च 2026 को थाना क्षेत्र के विभिन्न स्थानों से आरोपियों को हिरासत में लिया। पुलिस के अनुसार, सभी आरोपियों को बीएनएसएस की धारा 170/126/135 के अंतर्गत शांति भंग की आशंका के मद्देनजर गिरफ्तार किया गया। बाद में सभी का चालान कर संबंधित न्यायालय भेज दिया गया।

कार्रवाई में प्रभारी निरीक्षक तेज बहादुर सिंह के नेतृत्व में उपनिरीक्षक अजय कुमार सिंह, सुभाष गिरी, रामविचार सहित पुलिस टीम की अहम भूमिका रही। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए आगे भी इसी तरह की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

मां कालरात्रि की आराधना से दूर होते हैं संकट और मिलता है निर्भयता का वरदानः पं.रमेश तिवारी

बसौली धाम में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब, सातवें दिन 65000 से अधिक भक्तों ने किए दर्शन

जयकारों से गूंजा मंदिर परिसर, मां कालरात्रि की भक्ति में लीन रहे श्रद्धालु

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। चैत्र नवरात्रि के सातवें दिन बुधवार को सुईथाकला क्षेत्र स्थित प्रसिद्ध देवीधाम बसौली में श्रद्धा और भक्ति का भव्य दृश्य देखने को मिला। मां कालरात्रि की पूजा-अर्चना के पावन अवसर पर 6500 से अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन-पूजन कर सुख, शांति और संकटों से मुक्ति की कामना की।

सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगनी शुरू हो गई थीं, जो देर शाम तक जारी रहीं। दूर-दराज से पहुंचे भक्तों ने मां के चरणों में शीश नवाकर अपने परिवार की खुशहाली और जीवन में आने वाली बाधाओं को दूर करने की प्रार्थना की। पूरे दिन ह्यजय माता दीह्ल, 'बसौली माई की जय' के जयघोष से वातावरण भक्तिमय बना रहा।

नवरात्रि के सातवें दिन महिलाओं, युवाओं और बच्चों में विशेष उत्साह देखने को मिला। मंदिर परिसर में भजन-कीर्तन, दुर्गा सप्तशती पाठ और विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों के आयोजन से पूरा क्षेत्र आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर नजर आया। श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को देखते हुए प्रशासन और मंदिर समिति द्वारा सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं के पुख्ता इंतजाम किए गए थे।

देवीधाम बसौली के मुख्य पुजारी पं.रमेश तिवारी ने बताया कि नवरात्रि का सातवां दिन मां कालरात्रि की उपासना के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने कहा कि मां कालरात्रि को दुष्टों का संहार करने वाली और भय का नाश करने वाली देवी माना जाता है। उनकी आराधना से भक्तों के सभी संकट दूर होते हैं और उन्हें निर्भयता तथा साहस का वरदान प्राप्त होता है।

पं.तिवारी ने कहा कि सच्चे मन और श्रद्धा से मां कालरात्रि की पूजा करने वाले भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। मां की कृपा से जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और व्यक्ति को सुख-समृद्धि, शांति तथा आध्यात्मिक उन्नति प्राप्त होती है।

महिलाओं को 40 हजार सालाना देने का वादा, सपा सरकार बनने पर योजना लागू होगीः अरशद खान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव व पूर्व विधायक जौनपुर सदर मोहम्मद अरशद खान ने महिलाओं के लिए बड़ी घोषणा की है। उन्होंने कहा कि यदि आगामी विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी की सरकार बनती है तो प्रदेश की महिलाओं को ?40,000 प्रति वर्ष आर्थिक सहायता दी जाएगी।

अरशद खान ने बताया कि महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए समाजवादी महिला पेंशन योजना को फिर से शुरू किया जाएगा और इसे पहले से अधिक प्रभावी बनाया जाएगा। उनका कहना है कि इस योजना से महिलाएं आत्मनिर्भर बनेंगी और परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। उन्होंने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि महंगाई, बेरोजगारी और सुरक्षा के मुद्दों पर सरकार विफल रही है, जिसका सबसे ज्यादा असर महिलाओं पर पड़ा है।

अरशद खान ने दावा किया कि समाजवादी पार्टी की पूर्व सरकारों में महिलाओं के लिए चलाई गई योजनाओं का सीधा लाभ लाखों लोगों को मिला था और आने वाले समय में इन्हें और व्यापक स्तर पर लागू किया जाएगा। अंत में उन्होंने जनता से समाजवादी पार्टी को समर्थन देने की अपील की, ताकि महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और आर्थिक मजबूती के लिए काम किया जा सके।

सरकार के नौ वर्ष पूर्ण होने पर समारोह का आयोजन

निशानाथ

◆ सरकारी योजनाओं से लाभार्थियों को किया गया लाभान्वित

खेतासराय, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खेतासराय सोंधी ब्लाक प्रांगण में बुधवार की सुबह यूपी सरकार के नौ वर्ष पूर्ण होने पर कार्यक्रम में स्टॉल लगा कर पात्र

लाभार्थियों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिया गया तथा साथ मे सवास्थ्य परीक्षण गोद भराई के साथ अन्यप्रासान भी कराया गया। सभी विभाग के कर्मचारियों ने स्टाल लगाकर अपना प्रतिनिधित्व किया।

खण्ड विकास अधिकारी पीयूष त्रिपाठी ने मुख्य सेविका अनीता देवी के साथ गर्भवती महिलाओं को फल व प्रोटीन आहार देकर गोदभराई कराई और शिशिओं का अन्यप्रासान कराया। प्रभारी चिकित्साधिकारी सोंधी डॉ0 सूर्यप्रकाश यादव के नेतृत्व में मेडिकल अफसर डॉ0 फैजान अंसारी व मेडिकल अफसर फौजिया बानो ने आये हुए मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया लैब टेक्नीशियन अंकिता विश्वकर्मा व सुनील कुमार ने 35 मरीजों की ब्लड जांच की फर्मासिस्ट अशोक कुमार सुल्तानी ने दवाएं वितरित की शैलेश कुमार मौर्य व मकबूल अहमद,अंकुर श्रीवास्तव ने लाभर्तियों के 27 आयुष्मान गोल्डन कार्ड बनाए।

एडीओ कृषि धर्मेन्द्र कुमार सरोज ने किसानों की फर्मारजिस्ट्री की और किसान सम्मान निधि की आवश्यक जानकारी दी। स्वयम सहायता समूह सरायख्वाजा ने अचार पापड़ बनाने की विधि बताई और स्वरोजगार बनने की महिलाओं को जानकारी दिया।

समारोह में टीबी मुक्त करने वाली ग्राम पंचायत के दस ग्राम प्रधानों को सिल्वर व जान्स मेडल के साथ प्रशस्ति पत्र से समान्नित किया गया जिसमें ग्राम प्रधान चौकिया, अर्जनपुर, झांसेपुर, लपरी, मानीखुर्द, मारूफपुर, गुरदौली गांव के ग्राम प्रधानो को सम्मानित किया गया। बाल पुष्टाहार विभाग से शालिनी श्रीवास्तव ने सभी गर्भवती महिलाओं को आईसीडीएस से मिलने वाली योजनाओ के बारे में बताया तथा सीजन के फल व पुष्टाहार वितरित किया।

इस अवसर पर एडीओ आइएसबी प्रमोद सिंह, संदीप द्विवेदी, सचिव राकेश सिंह, विप्लव यादव, शशिकांत कुमार, विनोद यादव, सन्नी कुमार, विवेक त्रिपाठी, रश्मि सेठ, विनीता मौर्या, राधेश्याम आदि लोग शामिल रहे कार्यक्रम में सेवाएं दी। कार्यक्रम के अंत मे खंड विकास अधिकारी पीयूष त्रिपाठी ने आगंतुकों के प्रति आभार प्रकट किया।

बेलहटा गाँव में चकरोट निर्माण से ग्रामीणों को मिलेगी राहत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकास खंड बक्सा के अंतर्गत बेलहटा गाँव में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में तेजी से कार्य किया जा रहा है। गाँव में चकरोट निर्माण का कार्य युद्धस्तर पर जारी है, जिससे स्थानीय लोगों में उत्साह देखा जा रहा है।

ग्राम प्रधान साहब लाल की देखरेख में हो रहे इस निर्माण कार्य से राहगीरों और किसानों को खेतों तक आवागमन में काफी सुविधा मिलेगी। मार्ग को मजबूत बनाने के लिए ईंटों की सोलिंग (खड़ंजा) बिछाई जा रही है, वहीं किनारों को सुरक्षित रखने के लिए

ईंटों की बाउंड्री भी बनाई गई है।

आगे के चरण में मार्ग को और बेहतर बनाने के लिए मौके पर इंटरलॉकिंग ईंटें भी डाली गई हैं, जिससे संकेत मिलता है कि सड़क को जल्द ही आधुनिक स्वरूप दिया जाएगा।

लंबे समय से कच्चे रास्ते और कीचड़ की समस्या से जूझ रहे ग्रामीणों ने इस पहल का स्वागत किया है। उनका कहना है कि चकरोट निर्माण से विशेषकर बारिश के दिनों में आवागमन सुगम होगा और गाँव की कनेक्टिविटी में भी सुधार आएगा। ग्रामीणों ने उम्मीद जताई है कि इस तरह के विकास कार्य आगे भी जारी रहेंगे, जिससे क्षेत्र का समग्र विकास सुनिश्चित हो सके।

मिलेट्स रोड शो को जिलाधिकारी ने दिखाई हरी झंडी

मोटे अनाजों में छुपा है सेहत का खजानाः जिलाधिकारी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। आज के दौर में थाली से दूर हो चुके मोटे अनाजों को खेती का मुख्य हिस्सा

बनाने के उद्देश्य से मिलेट्स रोड शो निकला गया, जिसका शुभारंभ जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र ने बुधवार को कलेक्ट्रेट परिसर से मिलेट्स रोड शो को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

कलेक्ट्रेट परिसर से लाइन बाजार, वाजिदपुर होते हुए कृषि भवन परिषद तक जन जागरूकता मार्च निकाला गया।डीजे, प्रचार वाहनों एवं मिलेट्स को बढ़ावा देने का स्लोगन के जरिए लोगों को मोटे अनाजों के पोषण एवं उपयोगिता की जानकारी दी गई।

रैली को रवाना करते समय जिलाधिकारी डा.दिनेश चंद्र ने बताया कि मोटे अनाज ग्लूटेन फ्री होने के कारण अधिक लाभकारी होते हैं। इसका कम पानी कम उर्वरक एवं कम समय में बेहतर उत्पादन लिया जा सकता है, इनकी उपयोगिता को देखते हुए सरकार इसका नाम श्री अन्य योजना दिया है। उन्होंने कहा कि कभी गरीबों का भोजन कहा जाने वाला अनाज आज इसके गुणों एवं उपयोगिता को देखते हुए आहार विशेषज्ञ एवं डॉक्टर इसे सुपर फूड्स की संज्ञा दे रहे हैं।

इसको बढ़ावा देने के लिए सरकार मोटे अनाजों के बीजों को निःशुल्क उपलब्ध करा रही है किसान भाई अपने खेतों में इनकी खेती करके कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त कर सकते है। स्वास्थ्य रहने के लिए भोजन में मोटे अनाजों को शामिल करना आज की एक अनिवार्य आवश्यकता बन गई है।

इस मौके पर उप कृषि निदेशक डा. वीबी द्विवेदी, जिलाकृषि अधिकारी विनय सिंह, उप संभागीय कृषि प्रसार अधिकारी डा.स्वाति पाहुजा, अमित कुमार, उप परियोजना निदेशक आत्मा डा. रमेश चंद्र यादव, टीडी पीजी कालेज के पौध सुरक्षा के प्रोफेसर डा.रमेश सिंह सहित कॉलेज के छात्र छात्राएं तथा किसान उपस्थित रहे।

सामाजिक क्रांति के नायक रामाश्रय यादव नेताजी का निधन, क्षेत्र में शोक की लहर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बदलापुर तहसील के देवरामपुर ग्राम निवासी एवं सामाजिक क्रांति के अग्रदूत रामाश्रय यादव 'नेताजी' का 80 वर्ष की आयु में आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन की सूचना मिलते ही पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई।

रामाश्रय यादव नेताजी शिक्षा एवं समाज सुधार के क्षेत्र में लंबे समय तक सक्रिय रहे। वह मुंशी गणेशाराम इंटर कॉलेज, बताऊवीर के संस्थापक सदस्यों में शामिल थे और उन्होंने वर्षों तक शिक्षण कार्य कर समाज को दिशा देने का कार्य किया। अपने जीवनकाल में उन्होंने सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ कई आंदोलन चलाए।

विशेष रूप से मृत्यु भोज जैसी कुप्रथा के खिलाफ उनका आंदोलन काफी प्रभावी रहा। उनके प्रयासों से क्षेत्र में कई लोगों ने मृत्यु भोज की परंपरा छोड़कर शोक सभा आयोजित करने की पहल की, जो उनके सामाजिक योगदान का महत्वपूर्ण उदाहरण माना जाता है।

नेताजी का संबंध देश के कई बड़े नेताओं से भी रहा। वह पूर्व राज्यपाल मोतीलाल बोरा एवं समाजवादी नेता जॉर्ज फर्नांडीज के

करीबी माने जाते थे।

उनके परिवार में तीन पुत्र एवं पुत्रियां हैं। उनके पुत्र चंद्रकांत यादव और डॉ. कृष्णकांत यादव शिक्षा क्षेत्र में कार्यरत हैं, जबकि सूर्यकांत यादव उत्तराखंड में सेवा दे रहे हैं।

उनके निधन पर पूर्व विधायक बाबा दुबे, पूर्व मंत्री शैलेन्द्र यादव ह्यललईह्ल, पूर्व सांसद श्याम सिंह, चन्द्रभूषण यादव, लाल रत्नाकर, डीके यादव, समाजवादी पार्टी जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य, पूर्व विधायक लाल बहादुर यादव, अधिवक्ता विजय शंकर यादव, अधिवक्ता हीरालाल यादव, श्याम नारायण बिन्द, क्षेत्र पंचायत सदस्य सोनू यादव, डॉ. श्रीपाल पांडे, राम आनन्द पांडे, रामसुख यादव, पूर्व प्रशासकीय अधिकारी रामहित यादव, सपा नेता अशोक दुबे, वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे, लक्ष्मी नारायण यादव, अवधेश यादव, प्रमोद यादव, पूर्व प्रधानाचार्य रामफेर यादव सहित अनेक गणमान्य लोगों ने गहरा शोक व्यक्त किया है। सभी ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त की हैं।

वायरल वीडियो भ्रामक, मरीज का इलाज पारदर्शिता के साथ किया गयाः डॉ.आलोक यादव

डॉ. इम्तियाज अहमद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक

वीडियो को लेकर डॉ आलोक यादव ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए इसे भ्रामक और तथ्यों से परे बताया है। उन्होंने कहा कि संबंधित मरीज का इलाज परिजनों के विशेष अनुरोध पर किया गया था और पूरे उपचार के दौरान स्थिति की गंभीरता से उन्हें लगातार अवगत कराया जाता रहा। डॉ यादव के अनुसार, मरीज में संक्रमण तेजी से फैल रहा था, जिसकी जानकारी पहले ही परिजनों को दे दी गई थी। उन्होंने यह भी बताया कि परिजनों को विकल्प दिया गया था कि वे चाहें तो बेहतर इलाज के लिए मरीज को किसी अन्य अस्पताल में ले जा सकते हैं। उन्होंने दावा किया कि इलाज के दौरान की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी रही और जब परिजनों को स्थिति समझाई जा रही थी, उस समय का वीडियो रिकॉर्ड भी उनके पास मौजूद है, जो सच्चाई को दर्शाता है।

डॉक्टर ने आगे बताया कि मरीज को परिजनों की सहमति और इच्छा के अनुसार शांतिपूर्वक दूसरे अस्पताल के लिए रेफर किया गया। ऐसे में वायरल वीडियो में लगाए जा रहे आरोप निराधार और भ्रम फैलाने वाले हैं। डॉ आलोक यादव ने आमजन से अपील की है कि बिना सत्यता की पुष्टि किए किसी भी वायरल वीडियो या अफवाह पर विश्वास न करें और तथ्यों के आधार पर ही अपनी राय बनाएं।

फर्जी दस्तावेजों से विदेशी नागरिकता लेकर सरकारी लाभ लेने वाला गिरफ्तार

जीशान अहमद खान

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। निजामाबाद थाना क्षेत्र में फर्जी दस्तावेजों के सहारे मलेशिया की नागरिकता प्राप्त कर भारत में अवैध रूप से मतदाता बनकर सरकारी योजनाओं का लाभ लेने वाले एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के कब्जे से कई संदिग्ध व अवैध दस्तावेज भी बरामद किए गए हैं।

पुलिस के मुताबिक, ग्राम सुराई निवासी मो. कुद्दूस उर्फ कुद्दूस पुत्र अली रजा ने अपनी पहचान बदलकर ह्लमोहम्मद कुद्दूस बिन रज्जाग शाहह्ल नाम से फर्जी दस्तावेज तैयार कराए। इन दस्तावेजों के आधार पर उसने मलेशिया की नागरिकता और पासपोर्ट हासिल किया, साथ ही ओसीआई कार्ड भी बनवा लिया। जांच में खुलासा हुआ कि ओसीआई कार्ड धारक होने के बावजूद आरोपी का नाम भारत की मतदाता सूची में दर्ज था। वह न केवल वोटर के रूप में पंजीकृत था, बल्कि विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ भी उठा रहा था। विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के दौरान भी उसने फार्म भरकर अपनी वास्तविक पहचान छिपाने का प्रयास किया। मामले का पदार्फाश होने पर थाना निजामाबाद में आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। पूछताछ में संतोषजनक जवाब न मिलने पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय भेज दिया है और बरामद दस्तावेजों के आधार पर मामले की गहन जांच जारी है।

पॉक्सो एक्ट में वांछित आरोपी गिरफ्तार, पुलिस ने घेराबंदी कर दबोचा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना सरायख्वाजा पुलिस ने पॉक्सो एक्ट के एक वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई 25 मार्च 2026 को विशेष अभियान के तहत की गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण व क्षेत्राधिकारी सदर के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक अमरेन्द्र कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में पुलिस टीम ने आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, मु.अ.सं. 68/2026 से संबंधित मामले में वांछित आरोपी विशाल पुत्र विजयी यादव (निवासी ग्राम कोठवार, थाना सरायख्वाजा) को कोठवार क्रासिंग के पास घेराबंदी कर सुबह करीब 10:45 बजे गिरफ्तार किया गया। आरोपी के खिलाफ बीएनएस की विभिन्न धाराओं के साथ 3/4 पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज है। पुलिस ने अभियुक्त को हिरासत में लेकर आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक अमरेन्द्र कुमार पाण्डेय, उपनिरीक्षक सैयद हसन जाफर रिजवी, हेड कांस्टेबल परमात्मानंद और कांस्टेबल मिथिलेश कुमार शामिल रहे। पुलिस का कहना है कि जनपद में अपराधियों के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

खेतासराय पुलिस ने शातिर अपराधी को तमंचा व कारतूस के साथ किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद जौनपुर के थाना खेतासराय पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस टीम ने एक शातिर अपराधी को अवैध तमंचा और कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह के नेतृत्व में उपनिरीक्षक शैलेन्द्र कुमार राय व पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए नियाज स्कूल भुडकुडहा मोड़ के पास से आरोपी शाहआलम उर्फ भोनू उर्फ सोनू को गिरफ्तार किया। उसके पास से एक अवैध .315 बोर तमंचा और कारतूस बरामद हुआ। पुलिस के अनुसार, आरोपी के खिलाफ थाना खेतासराय में मु0अ0सं0 52/2026 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय भेज दिया गया है। बताया जा रहा है कि गिरफ्तार एरो क्षेत्र का दुराचारी एवं शातिर अपराधी है, जिसके खिलाफ जौनपुर, आजमगढ़ और अम्बेडकरनगर जनपदों के विभिन्न थानों में हत्या के प्रयास, डकैती, चोरी, गैंगस्टर एक्ट और एनडीपीएस एक्ट समेत कई गंभीर धाराओं में 15 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस टीम में थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह, उपनिरीक्षक शैलेन्द्र कुमार राय, हेड कांस्टेबल मनोज यादव और कांस्टेबल प्रदीप कुमार शामिल रहे। पुलिस का कहना है कि अपराधियों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

मसंग ने भारत में फ्लैगशिप स्मार्टफोन को अधिक सुलभ बनाने के लिए 'गैलेक्सी फॉरएवर' लॉन्च किया

गुरुग्राम। सैमसंग, भारत की सबसे बड़ी कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, ने आज भारत में गैलेक्सी फॉरएवर की घोषणा की, जो अपने फ्लैगशिप स्मार्टफोन को अधिक सुलभ बनाने के लिए एक नया ओनरशिप मॉडल पेश कर रहा है। प्रोग्राम ग्राहकों को सैमसंग केयर+ द्वारा संचालित नो-क्वेश्चंस-एस्क्ड-रिटर्न पॉलिसी के साथ एक साल के बाद 50% अस्यूरड बायबैक के खिलाफ 50% की छूट का वादा करता है। यह ग्राहकों को क्रेडिट कार्ड या सैमसंग फिनांस+ के माध्यम से 12 नो-कॉस्ट ईएमआई में डिवाइस की लागत का केवल आधा भुगतान करके एक साल के लिए गैलेक्सी र26 अल्ट्रा या गैलेक्सी र26 प्लस का मालिक बनने में सक्षम बनाता है। सैमसंग फिनांस+ को वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के लिए डिजाइन किया गया है ताकि ग्राहक न्यूनतम दस्तावेजीकरण और त्वरित लोन अनुमोदन के साथ आसान क्रेडिट प्राप्त कर सकें। एक साल के बाद, क्रेडिट कार्ड भुगतान मोड के माध्यम से ऑप्ट-इन करने वाले ग्राहक सीधे 50% अस्यूरड बायबैक प्राप्त कर सकते हैं, या अतिरिक्त 12 नो-कॉस्ट ईएमआई के माध्यम से शेष 50% का भुगतान कर सकते हैं।

संतप्त परिजनों से मिलीं विधायक डॉ. रागिनी सोनकर, जताई संवेदना

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मछलीशहर से समाजवादी पार्टी की विधायक डॉ. रागिनी सोनकर ने जनपद आजमगढ़ पहुंचकर शोक संतप्त परिवारों से मुलाकात की और अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं। विधायक ने पूर्व जिला पंचायत सदस्य राजाराम सोनकर के भांजे के निधन पर उनके परिजनों से मिलकर दुख प्रकट किया और ईश्वर से आत्मा की शांति की कामना की। इसके साथ ही उन्होंने संदीप सोनकर की चाची के निधन पर उनके आवास पहुंचकर परिवारजनों को ढांढस बंधाया। इस दौरान विधायक ने कहा कि ह्रदुख की इस घड़ी में समाजवादी पार्टी परिवार शोकाकुल परिवारों के साथ खड़ा है। ईश्वर आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और परिजनों को इस अपार दुख को सहने की शक्ति प्रदान करें। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष हवलदार यादव, विजय यादव, गुड्डू सोनकर, डॉ. विकास सोनकर, विवेक सोनकर, भारत यादव सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

बाइक से गिरकर युवक घायल

शाहगंज ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र के अन्तर्गत गोडिला फाटक के समीप सड़क दुघर्टना में बाइक अनियंत्रित होकर पलटने से सवार युवक घायल हो गया। मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने एम्बुलेंस की मदद से इलाज हेतु राजकीय चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। सरपतहां थाना क्षेत्र के सराय मोहिद्दिनपुर गांव निवासी हैप्पी (25)पुत्र भदई बुधवार की दोपहर रिश्तेदारी से बाइक सवार होकर घर जा रहा था। गोडिला फाटक समीप बाइक गड्ढे में अनियंत्रित होकर पलटने से घायल हो गया। घायल युवक को इलाज हेतु राजकीय चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उक्त घायल की हालत गंभीर देख बेहतर इलाज हेतु जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया।

मारपीट में एक युवक घायल,घायल युवक ने चेन व नकदी छीनने का लगाया आरोप

शाहगंज ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर के जौनपुर मुख्य मार्ग स्थित लोहामंडी में पुरानी रंजिश को लेकर पट्टीदारों के बीच विवाद हो गया। जिसमें एक पक्ष ने में एक युवक को लाठी डंडे से पीटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया । पीड़ित युवक ने आरोप लगाया कि हमलावर उसके गले की चेन और नकदी भी छीन ले गए। पूर्वी कौड़िया मेन रोड निवासी उमेश जायसवाल पुत्र राम पलट को मंगलवार की शाम उसके पट्टीदार उसकी दुकान पर आ पहुंचे। पुराने विवाद को लेकर कहासुनी के बाद उन्होंने उस पर हमला कर दिया। पीड़ित का आरोप है कि मारपीट के दौरान आरोपियों ने उसके गले की चेन और गल्ले में रखी नकदी भी छीन ली और मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को इलाज हेतु राजकीय चिकित्सालय में भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देख जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया।

हाई टेंशन तार में टच होने से ट्रैक्टर पर लड़े पुवाल में लगी आग

ग्रामीणों ने आग पर पाया काबू वाहन और चालक सुरक्षित

मो.आसिफ सिद्दीकी

मानीकलां ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खेतासराय क्षेत्र के चौकियां गुरैनी गांव में खेत से ट्रैक्टर पर पुवाल लादकर घर जा रहे ट्रैक्टर पर लदे पुवाल में अचानक आग लग गयी बाजार में अफरा तफरी का माहौल हो गया। ग्रामीणों किसी तरह आग पर काबू पा लिया जिससे एक बड़ा हादशा होने से बच गया। गांव निवासी चालक मुन्ना यादव ट्रैक्टर से सीता यादव का पुवाल लादकर घर जा रहे थे तभी गुरैनी बाजार में मुख्य मार्ग पर पहुंचने वाले ही थे तभी 11 हजरा वोल्टेज का तार पुवाल से छू गया और पुवाल जलने लगा जिससे बाजार में अफरा तफरी फैल गयी ग्रामीणों ने किसी तरह आग को बुझाया ग्राम प्रधान बाबर सिद्दीकी ने बताया कि चालक और वाहन दोनों सुरक्षित हैं समय रहते आग पर काबू पालिया गया जिससे एक बड़ी घटना टल गयी।

चैत्र नवरात्रि पर मुख्यमंत्री को पाटेश्वरी तीर्थ धाम की विशेष पुस्तिका भेंट

बलरामपुर (उत्तरशक्ति)। चैत्र नवरात्रि के पावन एवं शुभ अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को आदि शक्ति मां पाटेश्वरी जी तीर्थ धाम के धार्मिक, आध्यात्मिक एवं ऐतिहासिक महत्व पर आधारित एक विशेष पुस्तिका भेंट की गई।

इस पुस्तिका में तीर्थ धाम की प्राचीनता, गौरवशाली परंपरा एवं जनआस्था से जुड़े विभिन्न पहलुओं को विस्तार से प्रस्तुत किया गया है। साथ ही, मंदिर की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, आस्था में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका तथा श्रद्धालुओं के लिए इसकी आध्यात्मिक महत्ता का विस्तृत वर्णन भी शामिल किया गया है। इस अवसर पर कृषि, कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान विभाग के मंत्री सूर्य प्रताप शाही, देवीपाटन मंदिर के महंत योगी मिथिलेश नाथ, विधायक बलरामपुर सदर पलटूराम, विधायक तुलसीपुर कैलाश नाथ शुक्ला, विधायक उतरौला राम प्रताप वर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष आरती तिवारी, जिलाध्यक्ष रवि मिश्रा, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रावस्ती दद्दन मिश्र, नगर पालिका बलरामपुर चेयरमैन धीरेंद्र प्रताप सिंह धीरू, पूर्व विधायक गैसड़ी शैलेश सिंह शैलू, आयुक्त देवीपाटन मंडल शशि भूषण लाल सुशील, जिलाधिकारी विपिन कुमार जैन, पुलिस अधीक्षक विकास कुमार तथा मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु गुप्ता सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

एनएसएस शिविर के तीसरे दिन छात्राओं ने निकाली मतदाता जागरूकता रैली, योगाभ्यास व बौद्धिक सत्र का हुआ आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। तिलकधारी महिला महाविद्यालय में चल रहे राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के सप्त दिवसीय विशेष शिविर के तीसरे दिन विविध कार्यक्रमों का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत प्रातः सरस्वती वंदना, राष्ट्रगान तथा एनएसएस के लक्ष्य गीत उठे समाज के लिए उठे के साथ हुई। इसके उपरांत स्वयंसेविकाओं ने आयुष विभाग की योग प्रशिक्षिका सीमा द्विवेदी के निर्देशन में विभिन्न योग आसनों का अभ्यास किया। योगाभ्यास के माध्यम से छात्राओं को शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया।

दिवस के अगले चरण में चयनित ग्राम शिवापार में स्वयंसेविकाओं द्वारा मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई। रैली के दौरान छात्राओं ने गांव के विभिन्न क्षेत्रों, कस्बों और मलिन बस्तियों में पहुंचकर पोस्टर, नारों और स्लोगनों के जरिए लोगों को मतदान के महत्व के प्रति जागरूक किया। इस दौरान शिवापार स्थित सामुदायिक केंद्र और ग्राम सचिवालय का भी निरीक्षण किया गया।

दोपहर में आयोजित बौद्धिक सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में महाविद्यालय की संस्कृत विभागाध्यक्ष डॉ. पूनम सिंह ने छात्राओं को संबोधित किया।उन्होंने कहा कि एनएसएस केवल एक योजना नहीं, बल्कि यह सामूहिक कार्य करने की भावना विकसित करने का सशक्त माध्यम है। यह मंच छात्राओं की प्रतिभा को निखारकर उन्हें समाज का जिम्मेदार नागरिक बनने की दिशा में प्रेरित करता है। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं में उत्साह देखने को मिला और उन्होंने सामाजिक सरोकारों के प्रति अपनी जिम्मेदारी का परिचय दिया।

पश्चिम बंगाल में परिवर्तन तय, भाजपा की सरकार बनेगी : भवानजी

जलपाईगुड़ी (उत्तरशक्ति)। वरिष्ठ भाजपा नेता और मुंबई के पूर्व उप महापौर बाबू भाई भवानजी ने कहा है कि ममता बनर्जी के शासन में पश्चिम बंगाल में अराजकता का आलम है। लोग इस शासन से तंग आ चुके हैं। लोगों ने परिवर्तन का मन बना लिया है। लोगों को विश्वास है कि जब भाजपा की सत्ता आएगी तो राज्य में विकास की रफ्तार तेज होगी और अवैध घुसपैठ पर अंकुश लगेगा। श्री भवानजी चुनाव प्रचार के लिए मुंबई से यहां आए हुए हैं। वे यहां मारवाड़ी और व्यापारी समुदाय के लोगों से मिलकर उन्हें भाजपा को वोट देने और उसके पक्ष में माहौल तैयार करने की अपील कर रहे हैं। भवानजी इसके पहले सिलीगुड़ी, दार्जिलिंग, कलिंगपोंग, में व्यापारी समुदाय से संपर्क करना के बाद यहां पहुंचे हुए हैं और यहां गलियों की खाक छान रहे हैं। उनका कहना है कि मोदी जी के ही नेतृत्व में भारत महाशक्ति बनेगा इसलिए सभी लोगों को पीएम मोदी और भाजपा का समर्थन करना चाहिए। उधर भारतीय जनता पार्टी ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए 111 उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी की। पूर्व केंद्रीय मंत्री निसिथ प्रमाणिक को माथाभांगा विधानसभा सीट से उम्मीदवार बनाया गया है।

पूर्व राज्यसभा सांसद रूपा गांगुली को सोनारपुर दक्षिण से टिकट दिया गया है। पूर्व हॉकी खिलाड़ी भारत छेत्री को कालिम्पोंग विधानसभा सीट से तथा नोमन राय को दार्जिलिंग से मैदान में उतारा गया है।

विधानसभा के लिए मतदान 23 और 29 अप्रैल को दो चरणों में होगा। मतगणना 4 मई को की जाएगी। भाजपा ने नोआपारा से अर्जुन सिंह को और पूर्वी मेदिनीपुर में एग्रा से दिब्येंदू अधिकारी को टिकट दिया है। भाजपा प्रवक्ता देवजीत सरकार ने बताया कि अबतक दो सौ 56 उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की जा चुकी है। इससे पहले भाजपा ने 144 उम्मीदवारों की सूची जारी की। इस बीच, पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए वामदल ने भी 32 उम्मीदवारों के नाम की दूसरी सूची जारी की। इनमें तीन महिलाएं शामिल है।

बीजेपी नेता देवी प्रसाद उपाध्याय की प्रथम पुण्यतिथि पर दी गई श्रद्धांजलि

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर भारतीय मोर्चा, मीरा भायंदर के पूर्व जिलाध्यक्ष देवी प्रसाद उपाध्याय की प्रथम पुण्यतिथि पर बदलापुर तहसील अंतर्गत स्थित उनके पैतृक गांव सरायभानी में अखंड रामचरितमानस पाठ ,हवन एवं प्रीति भोज का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों की संख्या में लोग शामिल हुए। लोगों ने उनकी तस्वीर पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर उनके सामाजिक और राजनीतिक कार्यों को याद किया। स्व. उपाध्याय के बड़े पुत्र आचार्य पंडित महेंद्र प्रसाद उपाध्याय तथा छोटे पुत्र प्रख्यात भवन निमार्ता सुरेंद्र प्रसाद उपाध्याय ने परिवार की तरफ से आगंतुकों का स्वागत सम्मान किया। इस अवसर पर उपस्थित मुंबई के वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे, समाजसेवी शैलेंद्र उपाध्याय, पत्रकार अमित पांडे, राजेंद्र प्रसाद उपाध्याय, वीरेंद्र प्रसाद उपाध्याय, विपिन उपाध्याय आदि लोगों ने श्रद्धा सुमन अर्पित किया।उपस्थित लोगों ने मीरा भायंदर महानगरपालिका चुनाव में भारी मतों से जीत कर बीजेपी नगरसेवक बनने वाले स्व.देवी प्रसाद उपाध्याय के पौत्र विवेक उपाध्याय को बधाई दी। कल घर आगमन के समय विवेक उपाध्याय का लोहिंदा चौराहा से लेकर कोल्हूवा बाजार तक क्षेत्रवासियों की तरफ से जोरदार स्वागत सम्मान किया गया।

रुक्मिणी देवी निषाद का प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए चयन पार्टी नेतृत्व का निर्णय सराहनीय : ललई

रुक्मिणी देवी निषाद बनीं सपा महिला सभा की प्रदेश अध्यक्ष, कार्यकताओं में उत्साह

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी ने संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से बड़ा फैसला लेते हुए पूर्व सांसद एवं वीरांगना स्वर्गीय फूलन देवी की बहन रुक्मिणी देवी निषाद को महिला सभा का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है।

इस नियुक्ति के बाद पार्टी कार्यकताओं में खुशी की लहर दौड़ गई है। रुक्मिणी देवी निषाद के प्रदेश अध्यक्ष बनने पर नेताओं और कार्यकताओं ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल एवं सफल कार्यकाल की कामना की है। माना जा रहा है कि उनके नेतृत्व में महिला सभा संगठनात्मक रूप से और अधिक सशक्त होगी तथा महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी।

इस मौके पर पूर्व ऊर्जा एवं नियोजन राज्य मंत्री शैलेंद्र यादव ललई ने बयान जारी करते हुए कहा कि रुक्मिणी देवी निषाद का चयन पार्टी नेतृत्व का सराहनीय निर्णय है। उन्होंने कहा कि रुक्मिणी देवी निषाद लंबे समय से समाज के कमजोर, पिछड़े और वंचित वर्गों की आवाज उठाती रही हैं। उनके नेतृत्व में समाजवादी पार्टी की महिला सभा नई ऊंचाइयों को छुएगी और संगठन को मजबूती मिलेगी।

उन्होंने आगे कहा कि यह जिम्मेदारी उनके अनुभव और संघर्षशील व्यक्तित्व के अनुरूप है। हमें पूरा विश्वास है कि वह पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। पार्टी कार्यकताओं ने भी इस निर्णय का स्वागत करते हुए इसे महिला सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है।

7 अप्रैल को तय समय पर होगा व्यापार मंडल चुनाव, अफवाहों का खंडन

रेणुकूट ,सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। रेणुकूट व्यापार मंडल चुनाव को लेकर फैल रही अफवाहों पर विराम लगाते हुए चुनाव समिति ने स्पष्ट किया है कि मतदान 7 अप्रैल को पूर्व निर्धारित समय पर ही कराया जाएगा। किसी भी प्रकार की भ्रामक जानकारी पर ध्यान न देने की अपील की गई है। चुनाव समिति की ओर से आयोजित प्रेस वार्ता में अमरेंद्र सिंह पटेल ने कहा कि चुनाव प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और बाईलाज के अनुसार संचालित की जा रही है। उन्होंने बताया कि सदस्यता शुल्क 20 रुपये और प्रत्याशी शुल्क 3000 रुपये रखा गया है, जैसा कि पिछले चुनावों में भी लागू था। बाद में नई कमेटी द्वारा 100 रुपये अतिरिक्त लिए जाने की बात भी सामने आई थी, जिसे लेकर भ्रम फैलाया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि व्यापार मंडल के नियमों के तहत हर पांच वर्ष में चुनाव कराना अनिवार्य है और नई कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा। किसी सदस्य को जोड़ने या हटाने का निर्णय समिति द्वारा लिया जाता है, जिसमें कम से कम एक-तिहाई सदस्यों की सहमति जरूरी होती है। सिंबल वितरण पूरा, प्रत्याशियों में उत्साह चुनाव समिति ने सभी प्रत्याशियों को उनके चुनाव चिन्ह (सिंबल) आवंटित कर दिए हैं, जिससे प्रत्याशियों में उत्साह का माहौल है। सभी प्रत्याशियों से शांति पूर्ण ढंग से प्रचार करने और मतदाताओं से समर्थन मांगने की अपील की गई है। वोटर लिस्ट में संशोधन का अवसर समिति ने जानकारी दी कि वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने या हटाने की प्रक्रिया मतदान से एक दिन पहले तक जारी रहेगी। जिन व्यापारियों का नाम सूची में नहीं जुड़ा है, वे अपने संबंधित प्रत्याशी या चुनाव कार्यालय में संपर्क कर अपना नाम जुड़वा सकते हैं। चुनाव समिति ने सभी व्यापारियों से निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान में भाग लेने की अपील की है।

डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र की प्रथम बैठक सम्पन्न, वादकारी भवन निर्माण का निर्णय

सुशील कुमार तिवारी

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र की सत्र 2025-26 की प्रथम बैठक सम्पन्न हुई, जिसमें कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक का मुख्य आकर्षण वादकारियों की सुविधा के लिए वादकारी भवन निर्माण का प्रस्ताव रहा, जिसे सर्वसम्मति से स्वीकृति दी गई।

बैठक की शुरूआत में पूर्व अध्यक्ष जगजीवन सिंह ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का परिचय कराया। इसके बाद नवनियुक्त अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह एडवोकेट एवं महामंत्री राजेंद्र कुमार यादव एडवोकेट का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया।

पूर्व उपाध्यक्ष पवन कुमार सिंह एडवोकेट ने भी सभी नव नियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत किया। इसमें कोषाध्यक्ष द्वारिका नाथ नागर एडवोकेट, वरिष्ठ उपाध्यक्ष बिंदु यादव एडवोकेट, उपाध्यक्ष (10 वर्ष से अधिक) चतुर्भुज शर्मा एडवोकेट व संतोष कुमार यादव एडवोकेट, तथा उपाध्यक्ष (10 वर्ष से कम) आशुतोष कुमार पटेल एडवोकेट व आशुतोष कुमार पांडेय एडवोकेट शामिल रहे।

इसके अलावा सचिव प्रशासन वेद प्रकाश सिंह एडवोकेट, सचिव पुस्तकालय अभिषेक सिंह मौर्य तथा अन्य पदाधिकारियों का भी सम्मान किया गया।

नव नियुक्त अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह एडवोकेट ने अपने संबोधन में कहा कि यह सभी अधिवक्ताओं के लिए गर्व का क्षण है और वे न्याय एवं कानून की रक्षा के लिए पूरी निष्ठा के साथ कार्य करेंगे।

बैठक में राजेश कुमार यादव, प्रेम प्रताप विश्वकर्मा, विमल प्रसाद सिंह, सुरेश सिंह कुशवाहा, रामगुल्ली यादव, प्रदीप मौर्य, प्रवीण कुमार, राकेश कुमार सिंह, मृगराज सिंह, कामता प्रसाद यादव, दशरथ यादव, सुदेश कुमार, सत्यम शुक्ला, रामप्रसाद यादव, राजकुमार पटेल, टीटू गुप्ता, शाहनवाज आलम खान, रविंद्र पटेल सहित अनेक अधिवक्ता उपस्थित रहे।

सिलेंडर की टेंशन खत्म! काशी में घर-घर पीएनजी क्रांति

सुरेश गांधी

वाराणसी। वैश्विक स्तर पर बढ़ते तनाव और ऊर्जा आपूर्ति पर पड़ रहे असर के बीच अब इसका सीधा प्रभाव आम लोगों की रसोई तक पहुंचने लगा है। एलपीजी सिलेंडर की बुकिंग, डिलीवरी और बदलते नियमों से जूझ रहे उपभोक्ताओं के लिए अब काशी में एक स्थायी समाधान आकार ले रहा है। प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) को घर-घर पहुंचाने का अभियान तेज कर दिया गया है, जो आने वाले समय में शहर की ऊर्जा व्यवस्था को पूरी तरह बदल सकता है। मंडलायुक्त सभागार में आयोजित संयुक्त प्रेस वार्ता में कमिश्नर एस. राजलिंगम और गेल इंडिया के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर एच.के. गर्ग ने इस योजना को लेकर विस्तृत रोडमैप प्रस्तुत किया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि वाराणसी को चरणबद्ध तरीके से एलपीजी निर्भरता से मुक्त कर निरंतर, सुरक्षित और सस्ती गैस आपूर्ति प्रणाली की ओर बढ़ाया जा रहा है। मतलब साफ है वाराणसी अब पारंपरिक गैस व्यवस्था से आगे बढ़कर एक आधुनिक, सुरक्षित और टिकाऊ ऊर्जा मॉडल की ओर तेजी से कदम बढ़ा रहा है। एलपीजी की अनिश्चितताओं के बीच पीएनजी का यह विस्तार न केवल शहरवासियों को राहत देगा, बल्कि आने वाले समय में काशी को देश के अग्रणी ऊर्जा-स्मार्ट शहरों में भी शामिल कर सकता है।

एलपीजी की अनिश्चितता को देखते हुए प्रशासन और गेल इंडिया ने कन्वर्जन प्रक्रिया को मिशन मोड में शुरू कर दिया है। प्रतिदिन करीब 130 घरों को पीएनजी से जोड़ा जा रहा है. डीएलडब्ल्यू, बीएचयू, सुंदरपुर, चितईपुर, पांडेयपुर, शिवपुर और सारनाथ जैसे इलाकों में तेजी से काम हो रहा है, जहां पाइपलाइन का काम जारी है, वहां विशेष कैंप लगाकर ऑन-द-स्पॉट कनेक्शन दिए जा रहे हैं. यह अभियान न केवल गैस आपूर्ति को स्थिर बनाएगा, बल्कि उपभोक्ताओं को बार-बार सिलेंडर बदलने की परेशानी से भी मुक्त करेगा।

पीएनजी को एलपीजी के मुकाबले ज्यादा किफायती और सुविधाजनक बताया गया है। कोई बुकिंग नहीं, कोई वेटिंग नहीं, सिलेंडर खत्म होने का डर खत्म, मीटर आधारित बिलिंग, जितना उपयोग, उतना भुगतान. लगभग 47 रुपये प्रति क्यूबिक मीटर की दर, जो एलपीजी से सस्ती पड़ती है. इसके अलावा पाइपलाइन के जरिए गैस आपूर्ति होने से सुरक्षा के मानक भी अधिक मजबूत होते हैं.

गेल इंडिया ने उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए पूरी प्रक्रिया को डिजिटल बना दिया है। क्यूआर कोड स्कैन कर सीधे रजिस्ट्रेशन और पेमेंट किया जा सकता है. पहली बिल में 500 रुपये का चार्ज शामिल है. 1 रुपये प्रतिदिन सर्विस शुल्क, पाइपलाइन उपलब्ध होने पर 24 घंटे के भीतर गैस सप्लाई शुरू हो जायेगी. इससे अब उपभोक्ताओं को एजेंसियों के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।कमिश्नर एस. राजलिंगम ने बताया कि शहर के अधिकांश हिस्सों में नेटवर्क तैयार है, लेकिन घनी आबादी वाले पुराने शहर में अभी पाइपलाइन का काम शुरू होना बाकी है। जल्द ही वहां अंडरग्राउंड पाइपलाइन बिछाने का काम शुरू होगा. नेटवर्क पूरा होते ही कई इलाकों को एलपीजी मुक्त क्षेत्र घोषित किया जाएगा। हालांकि बाजार में एलपीजी की उपलब्धता को लेकर लोगों में असमंजस की स्थिति है, लेकिन प्रशासन ने किसी भी तरह के आधिकारिक संकट से इनकार किया है। धर्मशालाओं, मिड-डे मील और अन्न क्षेत्रों में पर्याप्त गैस उपलब्ध है।मांग के अनुसार शत-प्रतिशत आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है।

दुष्कर्म के आरोपी को मिली जमानत, कोर्ट ने लगाई सख्त शर्तें

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। महिला के साथ दुष्कर्म के गंभीर आरोपों में गिरफ्तार आरोपी महेश विश्वकर्मा को अदालत से जमानत मिल गई है। अपर सत्र न्यायाधीश (सीएडब्ल्यू)/(एफटीसी) अर्चना रानी की अदालत ने मंगलवार को सुनवाई के बाद जमानत अर्जी स्वीकार करते हुए आरोपी की रिहाई का आदेश दिया। कोर्ट ने आरोपी को एक-एक लाख रुपये की दो जमानतें प्रस्तुत करने की शर्त पर रिहा करने का निर्देश दिया है। साथ ही न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया कि आरोपी विवेचना में सहयोग करेगा, गवाहों को धमकाएगा नहीं और साक्ष्यों के साथ किसी प्रकार की छेड़छाड़ नहीं करेगा।

क्या है मामला: अभियोजन पक्ष के अनुसार, शाहगंज थाना क्षेत्र के एक गांव की 29 वर्षीय महिला ने आरोप लगाया कि 16 जनवरी 2026 की शाम वह घर पर अकेली थी, तभी ट्रैक्टर चालक महेश विश्वकर्मा उसके घर पहुंचा। जुताई के पैसे मांगने को लेकर विवाद हुआ, जिसके बाद आरोपी ने महिला के साथ जबरन दुष्कर्म किया और शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता के अनुसार, बाद में आरोपी ने दोबारा उसे बहला-फुसलाकर एक स्थान पर ले जाकर चाकू के बल पर दुष्कर्म किया और वीडियो बनाकर वायरल करने की धमकी दी। पीड़िता ने आरोप लगाया कि पुलिस द्वारा कार्रवाई न किए जाने पर उसने न्यायालय का दरवाजा खटखटाया, जिसके बाद कोर्ट के आदेश पर शाहगंज थाने में मामला दर्ज हुआ।

कोर्ट का निर्णय: मामले की सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष के अधिवक्ता कंचन सिन्हा के तर्कों और उपलब्ध साक्ष्यों का अवलोकन करने के बाद अदालत ने जमानत के पर्याप्त आधार पाए। इसके आधार पर आरोपी की जमानत मंजूर करते हुए शर्तों के साथ रिहाई का आदेश दिया गया।

उत्तरशक्ति की खबर का असर, आज किया गया गैस सिलिंडर का वितरण

उत्तरशक्ति के सवाददाता नें खुद संबंधित अधिकारियों को दूरभाष पर संपर्क कर जनता की समस्याओं से कराया था अवगत

-मनोज राय

मुंबई (उत्तरशक्ति)। उत्तरशक्ति के अथक प्रयासों से लोखंडवाला कांदिवली में पिछले 3 दिनों से जारी गैस सिलेंडर की भारी किल्लत बुधवार को दूर कर दी गई। लालजी गैस एजेंसी ने मंगलवार को यह अपील जारी कर दी थी कि गैस सिलेंडर के लिए लाइन लगाने की जरूरत नहीं है। लोग ऑन लाइन गैस बुकिंग करें। मोबाइल पर भेजे गए ओटीपी बताने पर सिलिंडर दिया जाएगा।

इस अपील के बावजूद बुधवार को सुबह 5.30 बजे से ही लोग लाइन लगाना शुरू कर दिए। हालांकि कल के मुकाबले आज भीड़ कम थी लेकिन दो सौ के लगभग लोग आज भी थे। लालजी गैस एजेंसी ने दो बार में सिलिंडर से भरा टेम्पो भेज कर सभी को सिलेंडर का वितरण किया। लालजी गैस एजेंसी ने एक बार फिर लोगों से अपील की है कि लोग लाइन में न खड़े हों। वे ऑन लाइन बुकिंग करे, होम डिलीवरी कर दी जाएगी। सिलेंडर लेने के लिए ओटीपी बताना जरूरी होगा। बिना ओटीपी के सिलेंडर नहीं दिया जाएगा। सरकार द्वारा गैस सिलिंडर लेने की सीमा 35 दिनों का कर देने से लोग काफी नाराज दिखे। लोगों का कहना था यह 35 दिन गैस सिलेंडर के घर पहुंचते पहुंचते 40 दिन का हो जाएगा। 25 दिनों में जिनके सिलेंडर खत्म हो जाते हैं। बाकी के 15 दिन खाना कैसे बनाएंगे। इसकी चिंता लोगों को अभी से ही सताने लगी है।

उल्लेखनीय है कि उत्तर शक्ति सोमवार से ही लगातार अधिकारियों के संपर्क में था। आज बुधवार को सुचारू रूप से गैस सिलेंडर का वितरण तो हो गया है लेकिन यह वितरण आगे भी हो। इसकी जिम्मेदारी लाल जी गैस एजेंसी की है।

लोगों की यह शिकायत है कि कुछ पूछताछ करने के लिए कॉल करने पर एजेंसी वाले कॉल रिसीव नहीं करते। अगर कॉल रिसीव नहीं करते तो ठीक है कम से कम मोबाइल पर मैसेज भेज कर सभी को सही जानकारी तो दे ही सकते हैं। गैस एजेंसी को अपने ग्राहकों की समस्या पर जरूर ध्यान देना चाहिए। इस संबंध में उत्तरशक्ति के सवाददाता नें खुद संबंधित अधिकारियों को दूरभाष पर संपर्क कर जनता की समस्याओं से अवगत कराया था।

जौनपुर महोत्सव में 10 दिव्यांगजनों को मोटराइज्ड ट्राई साइकिल वितरित

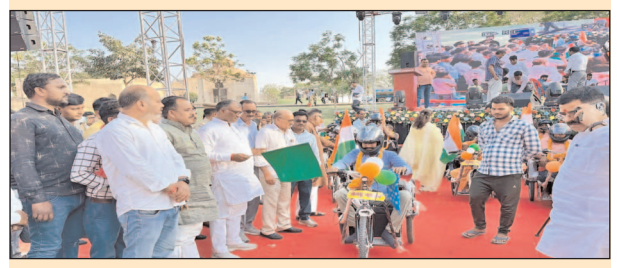

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जौनपुर महोत्सव के द्वितीय दिवस पर शाही किला परिसर में आयोजित भव्य कार्यक्रम में दिव्यांगजनों को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सरकार के खेल एवं युवा कल्याण विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चंद्र यादव ने अपनी विधायक निधि से 10 दिव्यांगजनों को मोटराइज्ड ट्राई साइकिल वितरित की। मंत्री ने लाभार्थियों से संवाद कर उनका हालचाल जाना और उन्हें माला पहनाकर व मिष्ठान देकर ट्राई साइकिल प्रदान की। इस दौरान उन्होंने कहा कि सरकार दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उनका उद्देश्य दिव्यांगजनों के जीवन को सरल बनाना, उनकी गतिशीलता बढ़ाना और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ना है। जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी ने बताया कि विधायक निधि के अंतर्गत जिन लाभार्थियों को ट्राई साइकिल दी गई, उनमें मृदुल अवस्थी, दिनेश कुमार, मोहन, जितेंद्र, गुलाबचंद विश्वकर्मा, कुलदीप गौतम, निफिकिर यादव, पवन पांडे, चंदन सिंह और रजनीश कुमार शामिल हैं। ट्राई साइकिल मिलने पर सभी लाभार्थियों ने मंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर परियोजना निदेशक कृष्ण करुणाकर पांडेय, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी दिव्या शुक्ला, जिला सूचना अधिकारी मनोकामना राय सहित अन्य अधिकारी और बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

सैमसंग की बीस्पोक एआई विंडफ्री एसी सीरीज से कूलिंग हुई और भी स्मार्ट

मुंबई। सैमसंग ने भारतीय घरों की बदलती जरूरतों को देखते हुए अपने 100% बीस्पोक एआई विंडफ्री एयर कंडीशनर्स का 2026 लाइनअप लॉन्च किया है। इस रेंज में कुल 23 मॉडल हैं, जिनमें 4-स्टार वेरिएंट भी शामिल हैं। यह नई सीरीज मुख्य रूप से इंटेलिजेंट कूलिंग, बिजली की बचत और प्रीमियम डिजाइन पर फोकस करती है। भारत में बढ़ते तापमान और मौसम के बदलते मिजाज के कारण अब एयर कंडीशनर से उम्मीदें सिर्फ 'ठंडक' तक सीमित नहीं रह गई हैं। सैमसंग के 2026 बीस्पोक एआई विंडफ्री एसी इसी बदलाव को ध्यान में रखकर बनाए गए हैं। ये एसी कमरे के माहौल और यूजर की पसंद को समझकर खुद को सेट कर लेते हैं, जिससे सीधे ठंडी हवा के झोंकों के बिना भी कमरा पूरी तरह आरामदायक बना रहता है। जब तुरंत तेज ठंडक की जरूरत हो, तो एआई फास्ट और विंडफ्री कूलिंग+ मोड काम शुरू कर देते हैं। वहीं, मानसून के दौरान उमस से राहत दिलाने के लिए इसका ड्राई कम्फर्ट मोड बेहतरीन काम करता है।

मुख्य विशेषताओं में एआई संचालित कूलिंग शामिल है, जो कमरे की स्थिति और उपयोगकर्ता की पसंद के अनुसार स्वतः कूलिंग को एडजस्ट करती है। विंडफ्री कम्फर्ट तकनीक बिना सीधे ठंडी हवा के झोंकों के पूरे कमरे में एकसमान और आरामदायक ठंडक प्रदान करती है। ड्राई कम्फर्ट टेक्नोलॉजी मानसून के मौसम में नमी को नियंत्रित कर चिपचिपाहट को कम करती है, जबकि एआई फास्ट और विंडफ्री कूलिंग+ जरूरत पड़ने पर कमरे को तेजी से ठंडा करने में सक्षम है। स्मार्टथिंग्स इंटीग्रेशन के माध्यम से एसी को स्मार्टफोन या वॉइस असिस्टेंट जैसे बिक्सबी, एलेक्सा और गूगल असिस्टेंट के जरिए कहीं से भी नियंत्रित किया जा सकता है। इसके अलावा, एआई एनर्जी मोड कूलिंग को ऑप्टिमाइज कर 30% तक बिजली की बचत सुनिश्चित करता है। ड्यूरेबिलिटी के लिहाज से, उत्पाद पर 5 साल की व्यापक वारंटी और एआई इन्वर्टर कंप्रेसर पर 10 साल की वारंटी दी गई है।

सौतेली मां हत्याकांड में दोषी बाल अपचारी को उम्रकैद, 50 हजार का जुर्माना

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। करीब साढ़े छह वर्ष पूर्व हुए चर्चित सौतेली मां हत्याकांड में अदालत ने बुधवार को बड़ा फैसला सुनाया। अपर सत्र न्यायाधीश/बाल न्यायालय सोनभद्र अमित वीर सिंह की अदालत ने दोषी बाल अपचारी विष्णुकांत गुप्ता को उम्रकैद और 50 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है। अदालत ने यह भी आदेश दिया कि जुमार्ना न देने की स्थिति में दोषी को एक माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। साथ ही जेल में बिताई गई अवधि को सजा में समाहित करने का निर्देश दिया गया है। अभियोजन पक्ष के अनुसार, कोन थाना क्षेत्र के गिधिया टोला, अजनिया गांव निवासी अनिरुद्ध गुप्ता ने 19 सितंबर 2019 को थाने में तहरीर देकर बताया था कि उनकी 30 वर्षीय बेटी रागिनी देवी की शादी कचनरवा बाजार निवासी शिव नारायण गुप्ता से हुई थी। घटना के दिन वह बाजार गए हुए थे और रागिनी अपने चार वर्षीय बेटे के साथ घर पर अकेली थी। इसी दौरान शिव नारायण गुप्ता की पहली पत्नी के बेटे विष्णुकांत गुप्ता ने मौके का फायदा उठाकर चाकू से वार कर रागिनी देवी की हत्या कर दी। शोर सुनकर मौके पर पहुंचे परिजनों ने उसे खून से लथपथ मृत पाया, जबकि आरोपी चाकू लेकर फरार हो गया। पुलिस ने मामले की विवेचना कर पर्याप्त साक्ष्य जुटाते हुए आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया। सुनवाई के दौरान गवाहों के बयान, साक्ष्यों और दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं की दलीलों को सुनने के बाद अदालत ने आरोपी को दोषी करार देते हुए उम्रकैद और जुमार्ने की सजा सुनाई। अभियोजन पक्ष की ओर से सरकारी वकील दिनेश कुमार अग्रहरि, सत्यप्रकाश त्रिपाठी और नीरज कुमार सिंह ने प्रभावी पैरवी की।

बातचीत के बीच ईरान नया बयान: नेतन्याहू की उंगलियों पर नाच रही अमेरिकी सैनिक

नेशनल। मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध के बीच ईरान ने अमेरिका को एक बार फिर कड़ी चेतावनी दी है। ईरान की संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाकि र गालिबफ ने कहा है कि तेहरान क्षेत्र में अमेरिकी गतिविधियों पर करीबी नजर रखे हुए है और किसी भी उकसावे का कड़ा जवाब दिया जाएगा। गालीबाफ ने अमेरिका पर आरोप लगाया कि उसके सैनिक नेतन्याहू के इशारे पर चल रहे हैं। उनका कहना था कि अमेरिकी सैनिक नेतन्याहू की गलत सोच का शिकार हो चुके है। जो गलतियां बड़े जनरलों ने की हैं, उनका खामियाजा अब सैनिकों को भुगतना पड़ सकता है। उन्होंने साफ शब्दों में चेतावनी दी हमारी जमीन की रक्षा के संकल्प को मत परखो। यह बयान ऐसे समय आया है जब क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य गतिविधियां लगातार बढ़ रही हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिका Pentagon के जरिए 82वीं एयरबोर्न डिवीजन के सैनिकों को मिडिल ईस्ट भेजने की तैयारी कर रहा है। बताया जा रहा है कि करीब 1,500 सैनिकों की तैनाती हो सकती है। यह घटनाक्रम Donald Trump के उस दावे के बिल्कुल उलट है, जिसमें उन्होंने कहा था कि अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत चल रही है और युद्ध जल्द खत्म हो सकता है। ट्रंप ने यहां तक दावा किया कि अमेरिका ने जंग जीत ली है और ईरान पूरी तरह कमजोर हो चुका है।

हालांकि, ईरान ने इन दावों को सिरे से खारिज कर दिया है। ईरानी सैन्य प्रवक्ता ने तंज कसते हुए कहा कि अमेरिका खुद से ही बातचीत कर रहा हैह्व और उसकी रणनीतिक ताकत अब हार में बदल चुकी है। इस बीच, ईरान ने ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस 4 के तहत मिसाइल हमले जारी रखे हैं, जिससे साफ है कि जमीनी स्तर पर तनाव कम होने के बजाय और बढ़ रहा है। फिलहास हालात बेहद गंभीर बने हुए हैं। एक तरफ अमेरिका बातचीत की बात कर रहा है, तो दूसरी तरफ ईरान लगातार सैन्य चेतावनियां और हमले कर रहा है। इससे यह संकेत मिलता है कि फिलहाल शांति की राह आसान नहीं है।

जौनपुर महोत्सव का दूसरा दिन: नन्हे कलाकारों ने बिखेरा जलवा, निपुण विद्यालय हुए सम्मानित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। ऐतिहासिक शाही किला में आयोजित जौनपुर महोत्सव के दूसरे दिन बेसिक शिक्षा विभाग की प्रस्तुतियों ने समां बांध दिया। परिषदीय विद्यालयों के बच्चों ने गीत, नाटक, एकांकी, लोकगीत और आकर्षक नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों का दिल जीत लिया। नन्हे कलाकारों की प्रतिभा और आत्मविश्वास से भरी प्रस्तुतियों पर खूब तालियां बजीं। कार्यक्रम का शुभारंभ करंजाकला ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि सुनील कुमार यादव उर्फ मम्मन द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। उन्होंने बच्चों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन ग्रामीण प्रतिभाओं को मंच प्रदान कर उन्हें आगे बढ़ने का अवसर देते हैं। इस अवसर पर जनपद के उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले निपुण विद्यालयों को जिलाधिकारी और मुख्य विकास अधिकारी के हस्ताक्षरयुक्त निपुण विद्यालय पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। पुरस्कार मिलने पर शिक्षकों और विद्यार्थियों में उत्साह का माहौल रहा। महोत्सव में शिक्षकों द्वारा तैयार टीएलएम (टीचिंग लर्निंग मटेरियल) की प्रदर्शनी भी आकर्षण का केंद्र रही। इसमें शिक्षण को सरल और रोचक बनाने के लिए किए गए नवाचारों को प्रदर्शित किया गया, जिसकी मुख्य अतिथि ने सराहना की। कार्यक्रम में कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय करंजाकला, धमापुर और डोभी के छात्र-छात्राओं ने भी रंगारंग प्रस्तुतियां देकर माहौल को जीवंत बना दिया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. गोरखनाथ पटेल ने सभी शिक्षकों, विद्यार्थियों और शिक्षा से जुड़े कार्मिकों को बधाई देते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम का संचालन शैलेश कुमार चतुर्वेदी और नूपुर श्रीवास्तव ने संयुक्त रूप से किया। इस दौरान विभिन्न विभागों के अधिकारी, शिक्षक-शिक्षिकाएं, शिक्षामित्र और बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

पंजाब : सरपंच के भाई को मारी गोलियां, गैंगस्टर जोरा ने ली जिम्मेदारी

गुरदासपुर। गुरदासपुर के डेरा बाबा नानक के अंतगर्त गांव शाहपुर जाजन में दिनदहाड़े सरपंच के भाई पर फायरिंग का मामला सामने आया है। इस हमले में सरपंच नवदीप सिंह का भाई सुखराज सिंह उर्फ काका पड्डा गंभीर रूप से घायल हो गया है, जिसे दो गोलियां लगी हैं। जानकारी के मुताबिक, सुखराज सिंह अपने गांव पड्डा से पास के गांव शाहपुर जाजन किसी निजी काम से जा रहा था। वहां दो बाइक पर सवार चार नकाबपोश युवक पहले से ही उसका इंतजार कर रहे थे। सुखराज सिंह ने बताया कि हमलावर पीछे से आए और उस पर 6 से 7 राउंड फायरिंग की, जिसमें से एक गोली उसके हाथ और एक कमर में लगी। इस घटना के बाद डेरा बाबा नानक के गैंगस्टर जोरा और उसके भाई मिंटू जोरा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करके इस हमले की जिम्मेदारी ली है। पोस्ट में उसने लिखा है कि सुखराज उसके भाइयों को नुकसान पहुंचाना चाहता था और जो भी उसके भाइयों को नुकसान पहुंचाएगा, उसका यही अंजाम होगा। घटना के बाद घायल सुखराज सिंह को तुरंत फतेहगढ़ चूड़ियां के सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे अमृतसर के श्री गुरु नानक अस्पताल में रेफर कर दिया। पुलिस कार्रवाई घटना की जानकारी मिलते ही बटाला के SSP डॉ. मेहताब सिंह भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने स्थिति का जायजा लिया और कहा कि पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। रर्द ने आश्वासन दिया है कि दोषियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

ट्रेडबायनरी ने ठाणे में रक्तदान एवं निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया

ठाणे। सामुदायिक स्वास्थ्य और कल्याण के प्रति अपनी मजबूत प्रतिबद्धता दशार्ते हुए, अग्रणी प्रौद्योगिकी एवं परामर्श कंपनी ट्रेडबायनरी ने हाल ही में कासारवडवली, ठाणे (पश्चिम) में रक्तदान एवं निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया। इस पहल का उद्देश्य स्थानीय निवासियों को लाभ पहुंचाना और निवारक स्वास्थ्य देखभाल के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। इस शिविर को एक लक्षित मेटा अभियान का समर्थन प्राप्त हुआ, जिसने 2 किलोमीटर के दायरे में लगभग 3.5 लाख लोगों तक पहुंच बनाकर व्यापक जागरूकता और सहभागिता सुनिश्चित की। शिविर में उपस्थित लोगों को विभिन्न चिकित्सा विशेषज्ञों—जिनमें सामान्य चिकित्सक, स्त्री रोग विशेषज्ञ, जनरल सर्जन और फिजियोथेरेपिस्ट शामिल थे—से परामर्श प्राप्त हुआ, जिससे एक ही स्थान पर समग्र स्वास्थ्य मार्गदर्शन उपलब्ध हुआ। इसके अतिरिक्त, रक्तचाप जांच और सामान्य स्वास्थ्य मूल्यांकन जैसी बुनियादी स्वास्थ्य जांच निःशुल्क की गई, जिससे प्रतिभागियों को अपनी स्वास्थ्य स्थिति को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिली। इस पहल का एक प्रमुख आकर्षण रियायती दरों पर उपलब्ध एचपीवी टीकाकरण था, जिसमें सवार्वैक और गार्डासिल शामिल हैं। ये टीके गर्भाशय ग्रीवा, योनि एवं गुदा कैंसर के साथ-साथ जननांग मस्सों से सुरक्षा प्रदान करते हैं, जिससे निवारक स्वास्थ्य देखभाल के महत्व को और बल मिला। शिविर के दौरान लगभग 40 लोगों ने रक्तदान किया, जबकि कई अन्य ने चिकित्सा परामर्श और जांच का लाभ उठाया। कुछ प्रतिभागी कम हीमोग्लोबिन स्तर या चल रही दवाइयों के कारण रक्तदान नहीं कर सके, जो मौसमी स्वास्थ्य चुनौतियों और नियमित स्वास्थ्य निगरानी की आवश्यकता को रेखांकित करता है। सभी रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए तथा भविष्य में रक्त की आवश्यकता होने पर प्राथमिकता सहायता का आश्वासन दिया गया, जिससे सहभागिता और सामुदायिक जुड़ाव को बढ़ावा मिला।

यह पहल ठाणे क्रीक्साइड रोटरी क्लब के सहयोग से आयोजित की गई। सोलारिस हॉस्पिटल ने चिकित्सा भागीदार के रूप में सहयोग दिया, टोटल फिजियोथेरेपी क्लिनिक ने फिजियोथेरेपी सेवाएं प्रदान कीं, जबकि कै वामनराव ओका ब्लड सेंटर ने रक्तदान अभियान का संचालन किया। इस पहल पर टिप्पणी करते हुए दर्शिल शाह, संस्थापक एवं निदेशक, ट्रेडबायनरी, ने कहा, मजबूत समुदाय अपने लोगों के स्वास्थ्य पर आधारित होते हैं, और संगठन इस आधार को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस तरह की पहल केवल एक बार का आयोजन नहीं होती, बल्कि यह इस विचारधारा को दशार्ती है कि विकास और सामाजिक सुदृढ़ता साथ-साथ चलनी चाहिए। निवारक स्वास्थ्य सेवाओं और चिकित्सा मार्गदर्शन तक पहुंच उपलब्ध कराकर हम समुदायों को सतत रूप से विकसित होने में सक्षम बनाते हैं।

टेक्नोस्पोर्ट ने भागलपुर में लॉन्च किया अपना विशेष ब्रांड स्टोर

भागलपुर। भारत का तेजी से उभरता एक्टिववियर ब्रांड टेक्नोस्पोर्ट ने बिहार के भागलपुर में अपना एक्सक्लूसिव ब्रांड आउटलेट। यह स्टोर डॉ. राजेंद्र प्रसाद रोड, वार्ड नंबर 38, जोन 1 में स्थित है और लगभग 3,000 वर्गफुट में फैला हुआ है। यह लॉन्च उभरते बाजारों में संगठित रिटेल उपस्थिति को मजबूत करने की कंपनी की रणनीति का एक महत्वपूर्ण कदम है। इस नए स्टोर के साथ टेक्नोस्पोर्ट का राष्ट्रीय स्टोर नेटवर्क अब 45 विशेष ब्रांड स्टोर्स तक पहुंच गया है। कंपनी अपने रिटेल विस्तार के तहत टियर-2 और टियर-3 शहरों में लगातार अपनी मौजूदगी बढ़ा रही है।

एक्सक्लूसिव ब्रांड आउटलेट मॉडल के जरिए ब्रांड को बेहतर पहचान, ग्राहकों से मजबूत जुड़ाव और उत्पादों की बेहतर प्रस्तुति व स्टोर के भीतर अनुभव पर अधिक नियंत्रण मिलता है, जो इसकी ऑफलाइन विस्तार रणनीति का अहम हिस्सा है। भागलपुर का यह आउटलेट ग्राहकों को एक आधुनिक और आकर्षक रिटेल अनुभव प्रदान करता है, जहां टेक्नोस्पोर्ट के हाई-परफॉर्मेंस एक्टिववियर की पूरी रेंज उपलब्ध है। ये उत्पाद भारतीय परिस्थितियों को ध्यान में रखकर तैयार किए गए हैं। कलेक्शन में कोटफ्लेक्स (4-वे स्ट्रेच और मेमोरी फंक्शन), टेक्नो ड्राई (जल्दी सूखने की क्षमता) और मैटपिक (सॉफ्ट फील और मैट टेक्सचर) जैसे इनोवेटिव फैब्रिक शामिल हैं। लॉन्च अवसर पर कार्यक्रम में कई विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति रही, जिनमें संतोष कुमार, जिला अध्यक्ष, भाजपा, भागलपुर, डॉ. बसुंधरा लाल, मेयर, भागलपुर, डॉ. एन के यादव, माननीय सदस्य, बिहार विधान परिषद, तथा संजय यादव, पूर्व एमएलसी शामिल रहे। इन गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष गरिमा प्रदान की।

13 साल बाद इंसाफ: चंदापुर हत्याकांड में दोषी को फांसी, जुए के विरोध में उजड़ा था पूरा परिवार

अदालत ने कहा— जब तक मौत न हो, तब तक फंदे पर लटकाया जाए

-सुरेश गांधी

वाराणसी। तेरह साल पहले चोलापुर के चंदापुर गांव में हुई चार निर्मम हत्याओं के मामले में आखिरकार न्याय का पहिया अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंच गया। एक मामूली विवाद से उपजी रंजिश ने जिस परिवार को हमेशा के लिए खामोश कर दिया था, उस जघन्य हत्याकांड में अदालत ने दोषी रविंद्र उर्फ राजू पटेल को फांसी की सजा सुनाई है। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश विनोद कुमार की अदालत ने अपने सख्त फैसले में कहा कि दोषी को तब तक फंदे पर लटकाया जाए, जब तक उसकी मृत्यु न हो जाए। यह फैसला न केवल एक परिवार के लिए न्याय की आस का अंत है, बल्कि समाज को भी एक कड़ा संदेश देता है कि जघन्य अपराधों के लिए कानून का शिकंजा देर से सही, लेकिन कसता जरूर है।

एक रात में खत्म हो गया हंसता-खेलता परिवार

यह हृदयविदारक घटना 29 अक्टूबर 2013 की रात करीब साढ़े नौ बजे की है, जब हमलावर लाठी-डंडों और लोहे की रॉड से लैस होकर मोहनलाल जायसवाल के घर में घुसा। उस रात घर की चौखट पर जो खून बिखरा, उसने एक पूरे परिवार की सांसें छीन लीं। वह रात आज भी चंदापुर के लोगों के जेहन में सिहरन पैदा कर देती है। लोहे की रॉड और लाठियों से लैस हमलावर ने मोहनलाल जायसवाल के घर में घुसकर ताबड़तोड़ हमला किया। देखते ही देखते घर का आंगन चीखों और खून से भर गया। इस हमले में मोहनलाल, उनकी पत्नी कुसुम देवी, बेटे प्रदीप उर्फ गोलू और बेटी पूजा की बेरहमी से हत्या कर दी गई, जबकि दूसरे बेटे संदीप ने गंभीर चोटों के बावजूद जिंदगी की जंग

जीत ली।

जुए और शराब के विरोध ने ली चार जानें

पुलिस जांच में सामने आया कि इस खूनी वारदात की जड़ एक साधारण सामाजिक विरोध था। मोहनलाल अपने घर के पास जुआ खेलने, शराब पीने और मांसाहार बनाने का विरोध करते थे। यही बात आरोपी को नागवार गुजरती थी। शिकायत परिवार तक पहुंचने के बाद उसकी खुन्नस और गहरी हो गई। इसी रंजिश ने एक शांत गांव में खून की होली खेल दी। और पूरा परिवार उसकी हिंसा का शिकार बन गया।

बेटी की सूझबूझ से बची जान

हमले के दौरान घर में मौजूद छोटी बेटी आरती ने अदम्य साहस का परिचय दिया। चारों ओर चीख-पुकार और हिंसा के बीच उसने खुद को कमरे में बंद कर लिया और चारपाई के नीचे छिपकर अपने चाचा को फोन कर घटना की जानकारी दी। उसकी इस सूझबूझ ने न केवल उसकी जान बचाई, बल्कि पुलिस को समय पर सूचना भी मिल सकी। और पुलिस कार्रवाई की पहली कड़ी बनी। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत फैल गई थी। पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की और छह दिन के भीतर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

25 गवाह, पुख्ता सबूत और लंबी सुनवाई

इस मामले में अदालत के समक्ष 25 गवाहों के बयान दर्ज हुए और खून से सने कपड़ों सहित तमाम साक्ष्य पेश किए गए। लंबी सुनवाई और साक्ष्यों के परीक्षण के बाद अदालत ने इसे दुर्लभतम में दुर्लभ मानते हुए मृत्युदंड का फैसला सुनाया।

खामोश घर ने सुनी इंसाफ की दस्तक

आज भी चंदापुर गांव का वह मकान खामोश खड़ा है, जो कभी हंसी और खुशियों से गुलजार था। वर्षों तक बंद दरवाजों के पीछे जैसे न्याय की प्रतीक्षा ठहरी रही। नवरात्र की सप्तमी पर आया यह फैसला उस सन्नाटे को चीरता हुआ इंसाफ की दस्तक बनकर सामने आया है।

समाज के लिए सख्त संदेश

यह फैसला सिर्फ एक अपराधी को सजा नहीं, बल्कि समाज को चेतावनी भी है कि छोटी-सी रंजिश जब हिंसा में बदलती है तो उसका परिणाम कितना विनाशकारी हो सकता है। साथ ही यह भी साबित हुआ कि न्याय भले ही देर से मिले, लेकिन उसकी आहट अंततः पीड़ितों तक पहुंचती जरूर है।

ऑपरेशन कनविक्शन की बड़ी कामयाबी

वाराणसी में 13 साल पुराने सनसनीखेज हत्याकांड में आखिरकार न्याय की मुहर लग गई। ऑपरेशन कनविक्शन अभियान के तहत कमिश्नरेट पुलिस की सशक्त पैरवी के चलते अदालत ने आरोपी को मृत्युदंड सुनाया है।

क्या है पूरा मामला

जनपद वाराणसी के थाना चोलापुर क्षेत्र में वर्ष 2013 में दर्ज हत्या के मामले (मु0अ0सं0 0315/2013) में लंबे समय से सुनवाई चल रही थी। इस मामले में हत्या, हत्या के प्रयास, लूट, साक्ष्य छिपाने जैसी गंभीर धाराएं (302, 307, 394, 411, 201 भादवि) लगी थीं।

अदालत का बड़ा फैसला

बुधवार को स्पेशल जज भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम (यूपीएसईबी), वाराणसी की अदालत ने आरोपी रविन्द्र उर्फ राजू पटेल को दोषी मानते हुए

मृत्युदंड (फांसी).

1,10,000 का अर्थदंड की सजा सुनाई

ऑपरेशन कनविक्शन का असर

प्रदेश में चल रहे ऑपरेशन कनविक्शनह्व अभियान के तहत पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल के निर्देशन में इस केस की लगातार मॉनिटरिंग की गई। मजबूत साक्ष्य, सटीक विवेचना और प्रभावी पैरवी ने इस फैसले में अहम भूमिका निभाई।

पुलिस और अभियोजन की संयुक्त मेहनत रंग लाई

कमिश्नरेट वाराणसी पुलिस और लोक अभियोजक की टीम ने केस को मजबूती से अदालत में पेश किया। साक्ष्यों की सटीक प्रस्तुति के चलते आरोपी को कठोर सजा दिलाई जा सकी।

क्यों है फैसला अहम

यह फैसला न सिर्फ पीड़ित परिवार के लिए न्याय है, बल्कि अपराधियों के लिए कड़ा संदेश भी– संगीन अपराध करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा. कानून की पकड़ से बच पाना अब मुश्किल है. वाराणसी पुलिस की यह सफलता ऑपरेशन कनविक्शन की प्रभावशीलता को साबित करती है। लंबे इंतजार के बाद मिला यह न्याय, कानून व्यवस्था पर जनता का भरोसा और मजबूत करेगा।